R.N.I. NO. RAJHIN/2012/48736

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

दैनिक रॉयल पत्रिका

वर्ष :12 | अंक : 250 | पेज: 8 | जयपुर, गुरुवार, 15 अगस्त 2024 | मूल्य: 1.50 रुपये

सभी देश व प्रदेश वासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

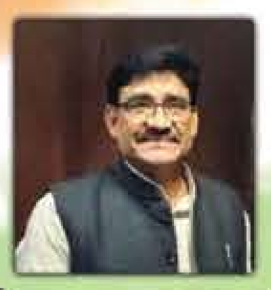

डॉ. खानुखान बुधवाली
चेयरमैन : राजस्थान बोर्ड ऑफ मुस्लिम वक्फ, जयपुर

सभी देश व प्रदेश वासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

इमरान कुरैशी
प्रदेश सचिव: राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी
कार्यकारी अध्यक्ष: प्रदेश कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग, राजस्थान

सभी देश व प्रदेश वासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

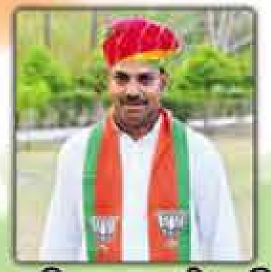

हमीद खान मेवाती
प्रदेश अध्यक्ष : भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा राजस्थान
Mobile No. 7597364786

सभी देश व प्रदेश वासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

जावेद कागज़ी
उपाध्यक्ष : भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा, राजस्थान
पूर्व हज कोर्डिनेटर : स्टेट हज कमेटी (राज.)

सभी देश व प्रदेश वासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

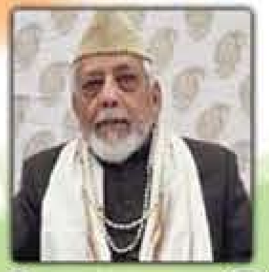

डॉ. हबीब उर रहमान नियाज़ी
सज्जादानशीन : दरगाह हज़रत मीर कुर्बान अली, जयपुर
पूर्व चेयरमैन : राजस्थान उर्दू अकादमी

सभी देश व प्रदेश वासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

शब्बीर कुरैशी (मुहम्मदी)
पूर्व अध्यक्ष : ऑल इंडिया जमीयतुल कुरैश, जयपुर
सदर : जामा मस्जिद, जयपुर

सभी देश व प्रदेश वासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

इंजीनियर इंसाफ अली आजाद
एडवोकेट सुप्रीम कोर्ट, राष्ट्रीय सयोंजक,
प्रभारी गुजरात,
अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग

सभी देश व प्रदेश वासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

डॉ. इकराम खान
पूर्व वाइस चेयरमैन : वक्फ विकास परिषद, राजस्थान
सदस्य : प्रदेश कांग्रेस कमेटी, पूर्व डायरेक्टर : पंचायत समिति, सुल्तानपुर
पूर्व सदस्य : मदरसा बोर्ड जयपुर राजस्थान सरकार,
जन अभियोग निराकरण समिति, कोटा

सभी देश व प्रदेश वासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

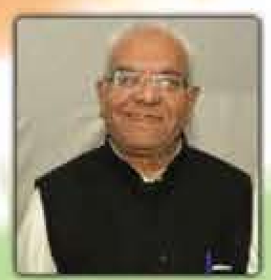

मोहम्मद युसूफ
सदस्य : राजस्थान बोर्ड ऑफ वक्फ़

सभी देश व प्रदेश वासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

पप्पू कुरैशी
समाजसेवी
Mobile No - 9784408786

सभी देश व प्रदेश वासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

अब्दुल वहीद खान नियाजी
पार्षद : वार्ड 5, हवामहल विधानसभा

सभी देश व प्रदेश वासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

मोहम्मद फरीद कुरैशी
पार्षद : वार्ड 69 हैरिटेज नगर निगम जयपुर

सभी प्रदेश वासियों को स्वतंत्रता दिवस एवं रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामनाएं

लईक अहमद
सचिव : प्रदेश कांग्रेस कमेटी राजस्थान

सभी देश व प्रदेश वासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

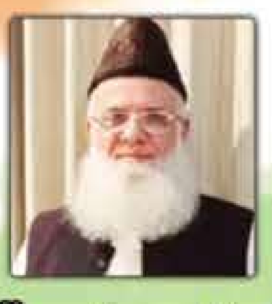

सैय्यद अनवर शाह
डायरेक्टर - अल जामिअ तुल आलिया, साबिर कालोनी, चार दरवाज़ा बाहर, जयपुर - 302002

सभी देश व प्रदेश वासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

फजलुर्रहमान
सहायक सचिव (सेवानिवृत्त) : राजस्थान खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड, जयपुर

समस्त देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

चलो मदीना

उमराह ज़ियारत टूर

उमराह पैकेज 80.000/- 15 दिन का टूर
उमराह पैकेज 85.000/- 20 दिन का टूर
हर महीने उमराह टूर रवानगी
हर महीने उमराह टूर रवानगी

उमराह पैकेज में शामिल सहुलियात

फ्लाईट : मुंबई/दिल्ली/अहमदाबाद/जयपुर/जोधपुर से हर महीन ग्रुप रवानगी उमराह सफर 18 या 20 दिन का होगा।

- खाना: बेहतरीन हिन्दुस्तानी खाना नाश्ता व 2 टाइम खाना व चाय
- होटल: मक्का-मदीना में नजदीकी होटल एयर कंडीशनर
- ज़ियारत: मक्का-मदीना की तमाम ज़ियारतें ए.सी. बसों में उर्दू जबान गाईड के साथ
- लॉण्ड्री: कपड़े की धुलाई व प्रेस की सुविधा

नोट : सऊदी हुकुमत द्वारा नया नियम चार्ज लागू करने पर हाजी को देना होगा।

- टिकट वीजा इंश्योरेंस सहित 2 फ्री बेग (बड़ा छोटा) फ्री वाई-फाई सुविधा
- जरुरी दस्तावेज वेलिड पासपोर्ट 2 पासपोर्ट साईज फोटो पेन कार्ड, वेक्सीन सर्टिफिकेट
- आज ही अपने पासपोर्ट जमा करवाकर अपनी सीट बुकिंग करवाए

ए.एस. ऑनलाईन बिजनेस
लोहिया कॉलेज के पीछे, वार्ड नं. 24, हार्ट केयर हॉस्पिटल वाली गली चूरू, राजस्थान
7849877675, 9929543123, 8209952306

मुस्लिम रिश्तों और नौकरियों के लिए पढ़े पेज 5

रॉयल पत्रिका न्यूज पेपर, वेबसाइट और डिजिटल में विज्ञापन के लिए संपर्क करें - 9799559096

सभी देश व प्रदेश वासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

जफर मिर्जा
पूर्व शहर अध्यक्ष : भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा, जयपुर

राजस्थान की सबसे भरोसेमन्द टूर एजेन्सी

WhatsApp No. 97853 83840
WhatsApp No. 85049 77790

एडवांस बुकिंग ऑफर

कश्मीर टूर
8,000/- | 14,999/-
MANALI TOUR | JAISALMER TOUR | GOA TOUR

ताज़िम
हज, उमराह व ज़ियारत टूर ऑर्गेनाइज़र
स्पेशल ऑफर | इकॉनोमी पैकेज

79,999/- *15 दिनों के लिए
फ्लाईट दिल्ली, मुम्बई, जयपुर से
84,999/- *20 दिनों के लिए

उमराह डीलक्स पैकेज 3/4 स्टार होटल	बग़दाद ज़ियारत	उमराह + ज़ियारत	रमज़ान उमराह
17 / 20 दिन	10 दिन	28 दिन	30 / 32 दिन
₹ 98,999/-	₹ 93,999/-	₹ 1,80,000/-	₹ 1,29,999/-

बदर/ताईफ ज़ियारत
www.tajimtours.com
हैड ऑफिस :- 3-क-71, छत्रपुरा मैन रोड़, विज्ञान नगर, कोटा (राज.)

रॉयल पत्रिका
संपादकीय...

बड़े हादसे होने पर भी सरकार और आयोजक नहीं ले रहे सबक

किसी भी हादसे का सबसे बड़ा सबक यह होना चाहिए कि भविष्य में वैसी चूक न दोहराई जाए और जानमाल का नुकसान होने से बचाया जा सके। मगर धार्मिक आयोजनों में अक्सर होने वाले हादसों के बावजूद सावधानी बरतना, आयोजन और प्रबंधन के स्तर पर सुचिंतित इंतजाम करना जरूरी नहीं समझा जाता। यह बेवजह नहीं है कि आए दिन किसी धार्मिक जमावड़े या फिर मंदिरों में पूजा के लिए पहुंचे लोगों के बीच किसी वजह से अचानक भगदड़ मच जाती है और कई लोगों की जान चली जाती है।

गौरतलब है कि रविवार की रात बिहार के जहानाबाद जिले में सिद्धेश्वरनाथ शिव मंदिर में अचानक भगदड़ मच गई और उसमें दब कर सात लोगों की जान चली गई। बाईस लोग घायल हो गए। ऐसा नहीं था कि वहां भारी संख्या में लोग अचानक ही पहुंच गए और अव्यवस्था फैल गई। जो खबरें आई, उससे यही लगता है कि वहां स्थानीय दुकानदारों के बीच झड़प से निपटने में पुलिस ने परिपक्वता नहीं दिखाई।

हाल ही में हुई थी हाथरस भगदड़

ज्यादा दिन नहीं बीते हैं, जब हाथरस के एक धार्मिक जमावड़े में मची भगदड़ में सौ से ज्यादा लोग मारे गए थे। देश के अलग-अलग इलाकों से ऐसी घटनाओं की खबरें आती रहती हैं। विडंबना है कि इन हादसों से कोई सबक लेने की जरूरत नहीं समझी जाती। न तो किसी धार्मिक कार्यक्रम के आयोजक अपने स्तर पर सुरक्षा इंतजाम की पुख्ता व्यवस्था करते हैं और न ही भीड़ जमा होने की आशंका के बावजूद सरकारी महकमे इस पहलू पर ठोस और स्पष्ट रुख अपनाते हैं। कई बार लोगों की इतनी भारी तादाद जमा हो जाती है कि कभी भी हादसे की आशंका बनी रहती है।

सवाल है कि भगदड़ की स्थिति बनने और उसे न रोक पाने के लिए क्या कभी सरकार की ओर से जिम्मेदारी ली जाती है? क्या ऐसी जगहों पर जमावड़ा होने पर संबंधित मंदिर या कार्यक्रम के आयोजकों को पहले ही सावधानी बरतने के निर्देश दिए जाते हैं? किन्हीं वजहों से भगदड़ मच जाने और उसमें कई लोगों की जान जाने के बाद प्रशासन का सक्रिय होना विचित्र लगता है, जबकि समय रहते सावधानी बरती जाए तो ऐसी त्रासदी से बचा जा सकता है।

जिन्ना एम्बुलेंस में तड़पते रहे, माउंटबेटन को बम से उड़ाया

भारत का बंटवारा कराने वाले लोगों का हुआ बुरा हश्र; बंटवारे के किस्से

28 जनवरी 1933। कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी के छात्र रहमत अली ने एक मसौदा तैयार किया। इसमें लिखा था कि अगर मुसलमानों को अपना अस्तित्व बचाकर रखना है तो अपना देश हिंदुओं से अलग कर लेना चाहिए। यहीं से पाकिस्तान का कॉन्सेप्ट आया।

रहमत अली की मुलाकात मुस्लिम लीग के मोहम्मद अली जिन्ना से हुई तो उन्हें अपना मसौदा बताया। धीरे-धीरे ये कॉन्सेप्ट इतना पॉपुलर हुआ कि 1940 में मुस्लिम लीग ने अलग मुल्क 'पाकिस्तान' का प्रस्ताव रखा।2 जून 1947 को भारत के वायसराय लॉर्ड माउंटबेटन ने बंटवारे का प्लान पेश किया। ब्रिटेन के PM क्लेमेंट एटली ने इसे मंजूरी दी। साइरिल रेडक्लिफ ने बंटवारे की लकीर खींची। बंटवारे में शामिल इन शख्सियतों में कोई टीबी से तड़पकर मरा, कोई ब्लास्ट से। किसी की निमोनिया से मौत हुई, तो किसी को दफनाने के लिए चंदा करना पड़ा।

आखिरी दिन: पाक सरकार ने देश निकाला दिया, लोगों ने चंदा करके इंग्लैंड में दफनाया

'मुस्लिम अगेंस्ट द मुस्लिम लीग: क्रिटिक्स ऑफ द आइडिया ऑफ पाकिस्तान' किताब के अनुसार जिन्ना के पाकिस्तान से चौधरी रहमत अली खुश नहीं थे। उन्होंने जिस पाकिस्तान की कल्पना की थी, उससे मौजूदा पाकिस्तान बहुत छोटा था। जब पाकिस्तान का निर्माण हो रहा था तब वो पूरे समय इंग्लैंड में ही रहे।डोमिनिक लेपिएर और लैरी कॉलिंस 'फ्रीडम एट मिटनाइट' में लिखते हैं वह व्यक्ति जिसने पाकिस्तान का सपना पहली बार देखा था वह 14 अगस्त की रात कैम्ब्रिज के हम्बर स्टोन रोड स्थित घर में अकेला बैठा था।1948 में रहमत अली ने तय किया कि अब मैं अपने वतन पाकिस्तान जाकर रहूंगा। 6 अप्रैल 1948 को इंग्लैंड से सब कुछ बेचकर वे लाहौर पहुंचे। पाक आने के बाद से ही वे अधूरे पाकिस्तान के निर्माण पर जिन्ना के खिलाफ बेबाक बयान देने लगे। जिन्ना ने इस पर ध्यान नहीं दिया, लेकिन PM लियाकत अली जरूर नाराज थे।एक दिन रहमत अली ने जिन्ना को क्विज्लिंग-ए-आजम कहा यानी देशद्रोही या गद्दार ए आजम। इस पर सरकार ने उनकी सारी संपत्ति जब्त कर ली और उन्हें देश छोड़कर जाने के लिए कह दिया। रहमत अली अक्टूबर 1948 में खाली हाथ इंग्लैंड चले गए।

वे कर्ज लेकर अपना जीवन बिता रहे थे। कर्जदारों से बचने के लिए उन्होंने खुद को दिवालिया घोषित करवा दिया था। 3 फरवरी को उनकी मौत हो गई। जब लाश से बदबू आने लगी तो पता चला कि पाकिस्तान का कॉन्सेप्ट देने वाला गुमनामी में मर चुका है।

उन्हें दफनाने वाला कोई नहीं था तब 20 फरवरी 1951 को कैम्ब्रिज के इमैनुअल कॉलेज के मास्टर एडवर्ड वेलबोर्न ने अपने पूर्व छात्र के लिए कैम्ब्रिज के न्यू मार्केट रोड कब्रिस्तान में दफनाने का इंतजाम करवाया।

आखिर दिन: जिन्ना को टीबी था, एम्बुलेंस में तड़पते रहे

मोहम्मद अली जिन्ना को बंटवारे से पहले ही टीबी हो गई थी। 5 सितंबर 1948 यानी बंटवारे से महज 1 साल बाद जिन्ना की तबीयत ज्यादा बिगड़ने लगी। बलगम की जांच की गई तो पता चला कि निमोनिया भी हो गया है। उनकी सांस फूलने लगी थी। उस वक्त वो क्वेटा में थे।उनकी बहन फातिमा लिखती हैं कि डॉक्टर ने मुझे बताया कि कायदे आजम कुछ ही दिनों के मेहमान हैं। मैंने हिम्मत करके ये बात भाई को बताई। उन्होंने कहा मुझे कराची ले चलो मैं वहीं पैदा हुआ था, वहीं दफन होना चाहता हूं।गवर्नर जनरल को फौरन विमान के इंतजाम का आदेश मिला। फ्लाइट में जिन्ना के साथ डॉक्टर मिस्त्री, नर्स डनहम और बहन फातिमा मौजूद थीं। दो घंटे की उड़ान के बाद सवा 4 बजे वो कराची एयरपोर्ट उतरे।

फातिमा लिखती हैं कि उस दिन एयरपोर्ट पर उन्हें रिसीव करने या सलामी देने के लिए कोई नहीं था। एयरपोर्ट पर पहले से तैयार आर्मी एम्बुलेंस में जिन (जिन्ना) को स्ट्रेचर पर लिटाया गया। उनके साथ नर्स डनहम और मैं थी।

एम्बुलेंस बहुत धीमी चल रही थी। दल के सदस्य दूसरी कारों में आगे चले गए थे। केवल डॉक्टर इलाही बक्श, डॉ. मिस्त्री और सैन्य सचिव गर्वनर जनरल की गाड़ी ही पीछे चल रही थी। बमुश्किल चार किलोमीटर में ही एम्बुलेंस हिचकोले खाने लगी और अचानक रुक गई।फातिमा लिखती हैं, 'मुझे बताया गया कि पेट्रोल खत्म हो गया है। वापस एम्बुलेंस में गई तो कायदे आजम ने हाथ हिलाकर पूछा, क्या हुआ? मैंने उनके कान में कहा कि एम्बुलेंस का इंजन खराब हो गया है। जिन्ना के ऊपर मक्खियां भिनभिना रही थीं।'

दूसरी एम्बुलेंस और गाड़ियां इतनी बड़ी नहीं थीं कि उसमें स्ट्रेचर आ पाए, इसलिए हम इंतजार कर रहे थे। हर पल जिन्ना को मौत के नजदीक ले जा रहा था। जहां एम्बुलेंस खड़ी थी, वहां रिफ्यूजियों की सैकड़ों झोपड़ियां थीं। इनमें से किसी को खबर नहीं थी कि जिसने इन्हें भारत से लाकर यहां बसा दिया है वो जिन्ना इस एम्बुलेंस में हैं।घंटे भर बाद एक दूसरी एम्बुलेंस आई और जिन्ना को लेकर गवर्नर जनरल हाउस की तरफ बढ़ी। डॉक्टर इलाही ने फातिमा को बताया कि हमने हवाई जहाज से क्वेटा से कराची का सफर दो घंटे में तय किया है। इधर कराची में ही एयरपोर्ट से गवर्नर जनरल हाउस की दूरी दो घंटे में तय की है।

जिन्ना को गर्वनर जनरल हाउस लाया गया। उन्होंने थोड़ी देर आराम किया। फिर आंखें खोलीं और फातिमा को अपने पास बुलाने का इशारा किया। जैसे ही फातिमा उनके मुंह के पास अपने कान ले गईं, जिन्ना ने आखिरी शब्द कहे... फाती खुदा हाफिज।

आखिर दिन: बोट पर ब्लास्ट में माउंटबेटन समेत पूरा परिवार खत्मसोमवार 27 अगस्त 1979 को कई दिनों की बारिश के बाद माउंटबेटन और उनके परिवार के कुछ लोग आयरलैंड में काउंटी स्लिगो में छुट्टियां मनाने गए थे। वे सुबह 11.30 बजे अपनी 29 फुट लंबी शैडो नामक नाव से निकले। उनके साथ बेटी पैट्रिशिया और उसके फिल्म निर्माता पति जॉन, जॉन की मां डोरेन नैचबुल, लेडी ब्रेबोर्न और पैट्रिशिया के 14 वर्षीय जुड़वां बच्चों निकोलस और टिमोथी के साथ 15 वर्षीय नौकर पॉल मैक्सवेल था। दो जासूस गार्ड भी परिवार की निगरानी कर रहे थे।

बोट को आगे बढ़े 15 मिनट ही हुए थे कि अचानक एक बम ब्लास्ट हुआ। ये बम आयरिश रिपब्लिकन आर्मी यानी IRA के दो विद्रोहियों ने लगाया था। IRA आयरलैंड के उनके अभियान को दबाए जाने से नाराज था और राज परिवार को सबक सिखाना चाहता था। इस ब्लास्ट में माउंटबेटन सहित सभी लोगों की मौत हो गई। इस मामले में IRA थॉमस मैकमोहन (उम्र 31) और फ्रांसिस मैकगर्ल (उम्र 24) को गिरफ्तार किया गया।

माउंटबेटन पर लिखी किताब 'देयर लाइव्स एंड लव्स' के राइटर एंड्रयू लोनी लिखते हैं कि उनकी बोट पर 22 किलो विस्फोटक रखा गया था। ब्लास्ट इतना भयानक था कि बोट के चीथड़े उड़ गए।

पैट्रिक हॉलैंड नामक एक आयरिश पेशेवर अपराधी ने दावा किया था कि जेल में आरोपी मैकमोहन ने उसे बताया था कि उसने दूसरों को बचाने के लिए माउंटबेटन की हत्या का दोष अपने ऊपर ले लिया था। माउंटबेटन की हत्या वास्तव में ब्रिटिश खुफिया एजेंसी ने करवाई थी। माउंटबेटन के निधन पर भारत में सात दिन का शोक रखा गया था।

आखिरी दिन: 78 साल की उम्र में अपने घर में मौतभारत से लौटने के बाद सिरिल रेडक्लिफ BBC से भी जुड़े रहे। 1957 में साइप्रस संकट के उभरने पर उन्हें साइप्रस में संवैधानिक आयुक्त के पद पर नियुक्त किया गया। उन्होंने साइप्रस के लिए संविधान का मसौदा तैयार करने में मदद की। 1956 से, उन्होंने कई सरकारी जांचों के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया। उनकी कोई संतान नहीं थी। 1 अप्रैल 1977 को 78 साल की उम्र में उनकी सामान्य मौत हो गई।

आखिरी दिन: स्टेज पर गोली मारी गई, आज तक हत्या का रहस्य नहीं सुलझा

पाकिस्तान के आजाद होते ही कट्टरपंथी ताकतों ने पैर जमाने शुरू कर दिए। लियाकत जानते थे कि कट्टरपंथियों को सीधे नहीं काबू कर पाएंगे। उन्होंने संविधान सभा में एक प्रस्ताव पेश किया। इसके अनुसार धार्मिक दलों पर कई पाबंदियां लगने वाली थीं। कट्टर पंथी अपने PM से बेहद नाराज थे।

लियाकत अली 16 अक्टूबर 1951 को रावलपिंडी के ईस्ट इंडिया कंपनी गार्डन में मुस्लिम सिटी लीग की सार्वजनिक बैठक में भाग लेने पहुंचे। उन्होंने बोलना शुरू किया। पहला शब्द कहा "बिरादरान-ए-इस्लाम" तभी सभा में बैठा एक युवक खड़ा हुआ। इसने पठानी सूट और पगड़ी बांधी हुई थी। उसने अपनी पॉइंट 38 रिवॉल्वर से गोलियां बरसानी शुरू कीं।

दो गोली PM लियाकत अली के सीने में धंस गई और तीसरी सीना चीरते हुए बाहर निकल गई। PM वहीं गिर पड़े और उनकी मौत हो गई।सुरक्षाकर्मियों ने हमलावर को फौरन गोली मार दी। उसकी शिनाख्त सईद अकबर के रूप में हुई। पुलिस ने बताया कि वो अफगान नागरिक था। कई जांचें हो चुकी हैं, लेकिन ये आज तक पता नहीं चल पाया कि पाकिस्तान के पहले पीएम की हत्या के पीछे किसका हाथ था?

तिरंगा
हर्षवर्धन पाण्डे

राष्ट्रीय ध्वज के जनक पिंगली वेंकैया

अंग्रेजों की गुलामी से आजाद होने के लिए असंख्य लोगों ने अपना बलिदान दिया, उनमें से अनेक लोगों को आज हम विस्मृत कर चुके हैं। देश की आन, बान और शान तिरंगा किस तरह वजूद में आया, ये भी आज शायद गिने -चुने लोगों को याद होगा। तिरंगे झंडे का जब भी जिक्र आएगा तो पिंगली वेंकैया का नाम स्मरण किए बिना शायद वो अधूरा रहे। पिंगली वेंकैया का जन्म 2 अगस्त, 1876 को वर्तमान आंध्र प्रदेश के मछलीपट्टनम के निकट भाटलापेन्नुमारु नामक स्थान पर हुआ था। इनके पिता का नाम हनुमंतारायुडु और माता का नाम वेंकटरत्नम्मा था। मछलीपत्तनम से हाई स्कूल उत्तीर्ण करने के बाद वे कोलंबो चले गये। भारत लौटने पर उन्होंने एक रेलवे गार्ड के रूप में और फिर बेल्लारी में एक सरकारी कर्मचारी के रूप में काम किया और बाद में वह एंग्लो वैदिक महाविद्यालय में उर्दू और जापानी भाषा का अध्ययन करने लाहौर चले गए।

वेंकैया ने ब्रिटिश भारतीय सेना में भी सेवा की थी। 1899 से 1902 के बीच उन्होंने अफ्रीका के बायर युद्ध में भाग लिया, वहीं पर उनकी मुलाक़ात महात्मा गांधी जी से हुई और वे उनके विचारों से बहुत अधिक प्रभावित हुए। स्वदेश लौटने पर मुंबई में गार्ड की नौकरी में लग गए। इसी बीच मद्रास में प्लेग के चलते कई लोगों की मौत हो गई इससे उनका मन बहुत अधिक व्यथित हुआ और उन्होनें वह नौकरी छोड़ दी। बात 1904 की है जब जापान ने रूस को हरा दिया। इस समाचार को सुनकर वो इतना प्रभावित हो गए कि उन्होंने जापानी भाषा सीख ली। पिंगली वेंकैया की संस्कृत, उर्दू व हिंदी आदि भाषाओं पर अच्छी पकड़ थी। इसके साथ ही वे भू-विज्ञान एवम कृषि के अच्छे जानकर भी थे। 1906 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का अधिवेशन कलकत्ता में हुआ, जिसकी अध्यक्षता दादा भाई नौराजी ने की। इस सम्मेलन में दादाजी ने पिंगली के कार्यों की सराहना की। बाद में उन्हें राष्ट्रीय कांग्रेस का सदस्य मनोनीत कर दिया गया । कांग्रेस के इस अधिवेशन में यूनियन जैक फहराया गया जिसे देखकर पिंगली वेंकैया का मन द्रवित हो उठा।

उसी दिन से वे भारतीय राष्ट्रीय ध्वज की संरचना में लग गए। 1916 में उन्होनें ए नेशनल फ्लैग ऑफ इंडिया नामक पुस्तक प्रकाशित की जिसमें उन्होंने राष्ट्रीय ध्वज के 30 नमूने प्रकाशित किए थे। पांच साल बाद भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की बैठक 1921 में विजयवाड़ा में हुई तो उसमें गांधी जी ने सभी को पिंगली के द्वारा तैयार राष्ट्रीय ध्वज के चित्रों की जानकारी दी। इसी बैठक में गांधी जी ने पिंगली के द्वारा बनाए गए राष्ट्रीय ध्वज को मान्यता दी। इस संदर्भ में महात्मा गांधी के 'यंग इंडिया' में अपने संपादकीय में 'अवर नेशनल फ्लैग' शीर्षक से लिखा कि राष्ट्रीय ध्वज के लिए हमें बलिदान देने को तैयार रहना चाहिए। मछलीपट्टनम के आंध्र कॉलेज के पिंगली ने देश के झंडे के संदर्भ में एक पुस्तक भी प्रकाशित की जिसमें उन्होंने राष्ट्रीय ध्वज से संबंधित अनेक चित्र प्रकाशित किए। इसके बाद वह वापस मछलीपट्टनम लौट आये और 1916 से 1921 तक विभिन्न झंडों के अध्ययन में अपने आप को समर्पित कर दिया और अंत में वर्तमान भारतीय ध्वज विकसित किया।

वेंकैया ने राष्ट्रीय ध्वज के लिए राष्ट्रपिता महात्मा गांधी से सलाह ली और गांधी जी ने उन्हें इस ध्वज के बीच में अशोक चक्र रखने की सलाह दी जो संपूर्ण भारत को एक सूत्र में बांधने का संकेत बने। पिंगली वेंकैया लाल और हरे रंग की पृष्ठभूमि पर अशोक चक्र बना कर लाए पर गांधी जी को यह ध्वज ऐसा नहीं लगा कि जो संपूर्ण भारत का प्रतिनिधित्व कर सकता है। गांधी जी ने यंग इंडिया' में अपने संपादकीय में आगे लिखा 'जब मैं विजयवाड़ा के दौरे पर था, उस दौरान पिंगली ने मुझे हरे और लाल रंगों से बने बिना चरखे वाले कई चित्र बनाकर दिए थे। मैंने उन्हें एक झंडे के बीच में सफेद रंग की पट्टी डालने की सलाह दी जिसका उद्देश्य था कि सफ़ेद रंग सत्य व अहिंसा का होता है। उन्होंने इसे तुरंत मान लिया'। इसी के बाद पिंगली द्वारा तैयार किया गया झंडा लोगों के बीच लोकप्रिय हो गया। 1931 में अखिल भारतीय कांग्रेस के ध्वज को मूर्त रूप देने के लिए 7 सदस्यों की एक कमेटी बनाई गई। इसी साल कराची कांग्रेस कमेटी की बैठक में पिंगली वेंकैया द्वारा तैयार ध्वज, जिसमें केसरिया, श्वेत और हरे रंग के साथ केंद्र में अशोक चक्र स्थित था, को सहमति मिल गई। इसी ध्वज के तले आज़ादी के परवानों ने कई आंदोलन किए और 1947 में अंग्रेजों को भारत छोड़ने पर मजबूर कर दिया। भारतीय डाक विभाग ने 12 अगस्त 2009 को पूरे 46 बरस बीतने के बाद पिंगली पर 5 रू. का डाक टिकट जारी किया। (लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

अच्छा काम करना है, उसे आलस छोड़कर तुरंत करें

संकलित
दर्शन

शिव का अर्थ है- भोलापन। दुनिया में भोलापन उदय हो जाए, इसका उपाय है- 'शिव सूत्र'। शिव सूत्र छोटे-छोटे सुंदर सूत्र हैं। जीवन के लिए एक सूत्र ही काफी है। आपका जीवन इन सूत्रों के आनंदमय प्रकाश से भर जाएगा। जीवन में भोलापन उदय हो जाएगा। हमारा शरीर और मन दोनों अलग-अलग नियमों पर चलते हैं; जैसे- आप जितना व्यायाम करेंगे, शरीर उतना हष्ट-पुष्ट होने लगता है, लेकिन मन के लिए एक अलग ही ढंग है। आप जितना विश्राम करेंगे, मन उतना ही तेज होने लगेगा। सबने सुना है, सब भगवान की इच्छा से होता है। 'तेन विना तृणमपि न चलति' उसकी इच्छा के बिना एक पत्ता भी नहीं हिलता। तो जो भी होता है, सब भगवान ही करते हैं। जब हमें अपना पुरुषार्थ या उद्यम नहीं करना होता है, तो हम कह देते हैं कि जैसी भगवान की इच्छा। जब हमारा संकल्प मजबूत नहीं होता है, तब कह देते हैं कि भगवान की इच्छा। लेकिन, ये बात और जगहों पर लागू नहीं होती है। जब भगवान भोजन कराएंगे, तब करेंगे। जब भगवान सिनेमा दिखाएंगे, तब देखेंगे। हम अपनी इच्छा और प्रभु की इच्छा को अलग-अलग मानते हैं। ऐसे लोगों को 'अनुकूल सिंधु' कहते हैं। जो अपने अनुकूल हुआ, वह मैंने किया है और जो प्रतिकूल हुआ, वह भगवान ने किया। कहीं जीत हो जाए तो मैंने जीता और कहीं हार गए तो भगवान की इच्छा। हम यह नहीं कहते हैं कि हमने अपनी पूरी शक्ति नहीं लगाई थी, इसलिए हम हार गए।

बिना चिंतन के कीर्तन का कोई लाभ नहीं

संकलित
प्रेरणा

राजा के मन में आया कि अगर मैं भी भागवत की कथा सुन लूँ तो मेरा भी कल्याण हो जायगा। राजा ने एक पण्डित जी से बात की। पण्डित जी भागवत सुनाने के लिये तैयार हो गये। निश्चित समय पर भागवत-कथा आरम्भ हुई। सात दिन बीतने पर कथा समाप्त हुई। दूसरे दिन राजा ने पण्डितजी को बुलाया और कहाः पण्डित जी ! न तो आपने भागवत सुनाने में कोई कमी रखी, न मैंने सुनने में कोई कमी रखी, फिर भागवत सुनने पर कोई फर्क तो नहीं पड़ा, बात क्या है? पण्डित जी ने कहाः महाराज! इसका उत्तर तो मेरे गुरु जी ही दे सकते हैं। राजा ने कहाः आप अपने गुरुजी को आदरपूर्वक मेरे यहाँ ले आयें, हम उनसे पूछेंगे। राजा ने अपनी शंका गुरु जी के सामने रखी कि, भागवत सुनने पर भी मेरा कल्याण क्यों नहीं हुआ? गुरूजी ने राजा से कहा कि थोड़ी देर के लिये मुझे अपना अधिकार दे दो। राजा ने उनकी बात स्वीकार कर ली। गुरु जी ने आदेश दिया कि राजा और पण्डित जी दोनों को बाँध दो। राजपुरुषों ने दोनों को बाँध दिया। अब गुरूजी ने पण्डित जी से कहा कि, तुम राजा को खोल दो। और राजा से कहाः तुम पण्डित जी को खोल दो। दोनों ने उत्तर दिया की हम बंधे है कैसे एक दूसरे को खोल सकते हैं। गुरु जी ने कहाः महाराज! मैंने आपके प्रश्न का उत्तर दे दिया! राजा ने कहाः मैं समझा नहीं! गुरूजी बोलेः जैसे खुद बँधा हुआ आदमी दूसरे को बन्धन-मुक्त नहीं कर सकता है, वैसे ही स्वयं ज्ञान को अपने अनुभव में उतारे बिना कोई दूसरे का कल्याण कैसे कर सकता है? अर्थात नहीं कर सकता है।

अंतर्मन

आज की पाती

जरूरी है जलवायु परिवर्तन के अनुसार कृषि

हमारे देश में कृषि क्षेत्र की ओर एक कदम और आगे बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऐसी लगभग 109 उन्नत किस्म के बीजों को जारी किया जो जलवायु परिवर्तन, अधिक उपज और जैविक कृषि को बढ़ावा देने वाले हैं। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का यह बहुत ही अच्छा प्रयास रहा कि इसने ऐसी फसलों के बीजों को विकसित किया जोकि लगभग 61 फसलों के साथ जुड़े हुए हैं। सबसे बड़ी बात यह मानी जा सकती है कि कृषि विशेषज्ञों ने धान के ऐसे बीज विकसित किए जो लगभग 20 प्रतिशत कम पानी में तैयार होंगे। मौसम चक्र के बिगड़ने और कुदरत के कहर के कारण किसानों को हर साल भारी नुकसान झेलना पड़ रहा है। ऐसे में फसलों की नई किस्में एक अच्छी पहल है। *-मनोज जोशी, बिलासपुर*

करंट अफेयर

चेन्नई के संग्रहालय में सुरक्षित है 15 अगस्त 1947 का तिरंगा

चेन्नई के सदियों पुराने फोर्ट सेंट जॉर्ज क्षेत्र में स्थित एक संग्रहालय की अमूल्य संपत्तियों में एक पुराना भारतीय तिरंगा भी है, जिसे 15 अगस्त, 1947 को स्वतंत्र भारत के जन्म के समय फहराए जाने का दुर्लभ गौरव प्राप्त है। संस्कृति मंत्रालय के अनुसार फोर्ट संग्रहालय में रखा यह तिरंगा शुद्ध रेशम का बना है और 3.5 मीटर लंबा तथा 2.4 मीटर चौड़ा है। एक बयान में कहा, यह 1947 में फहराए गए तिरंगे झंडो में से बचा हुआ भारत का एकमात्र ध्वज है। यह ध्वज उस संपूर्ण संघर्ष का प्रमाण है, जो भारतीयों ने स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए किया था। मंत्रालय ने कहा कि यह ध्वज 15 अगस्त, 1947 को फोर्ट सेंट जॉर्ज में सुबह 5.30 बजे फहराया गया था। 'पीआईबी कल्चर' ने भी 'एक्स' पर एक पोस्ट साझा किया जिसमें तिरंगे के साथ संग्रहालय की गैलरी की कुछ तस्वीरें हैं। कोरोमंडल तट के साथ साथ चेन्नई के एक छोर पर स्थित इस किले की उत्पत्ति संबंधी जानकारी शहर के इतिहास से जुड़ी हुई है। तमिलनाडु पर्यटन विभाग की वेबसाइट के अनुसार, यह किला 23 अप्रैल, 1644 को सेंट जॉर्ज डे पर बनकर तैयार हुआ था, जिसे बाद में सेंट जॉर्ज फोर्ट नाम दिया गया। इस किले के अस्तित्व में आने के साथ ही जार्ज टाउन नामक एक नयी बस्ती का जन्म हुआ जिसमें आसपास के गांव भी शामिल किए गए।

ऑफ बीट

दुनिया की आधी बड़ी झीलों में हो रहा पानी कम

दुनिया में 50 प्रतिशत से अधिक बड़ी झीलों में पानी की कमी हो रही है और इसकी प्रमुख वजहों में गर्म जलवायु और मानव उपभोग प्रमुख हैं। इस अध्ययन के प्रमुख लेखक अमेरिका के वर्जीनिया विश्वविद्यालय के फांगफैंग याओ हैं। याओ ने कहा कि यह अध्ययन उपग्रहों और 'मॉडल' की एक श्रृंखला के आधार पर दुनिया भर की झीलों में जल भंडारण में परिवर्तन के रुझानों पर पहला व्यापक आकलन है। कजाकिस्तान और उज्बेकिस्तान के बीच अरल सागर के सूखने जैसे पर्यावरणीय संकट के सामने आने के बाद याओ और उनके सहयोगियों ने यह अध्ययन किया। उनके सहयोगियों में अमेरिका के कोलोराडो बोल्डर विश्वविद्यालय और कंसास विश्वविद्यालय के अलावा फ्रांस और सऊदी अरब के अध्ययनकर्ता भी शामिल थे। अध्ययन दल ने दुनिया की करीब 2000 सबसे बड़ी झीलों तथा जलाशयों के जलस्तर में हुए बदलाव पर गौर किया। पृथ्वी पर कुल झील जल भंडारण का 95 प्रतिशत हिस्सा इन 2000 जलाशयों में है। अध्ययन दल ने 1992 से 2020 के बीच उपग्रहों द्वारा ली गयी करीब ढाई लाख तस्वीरों का उपयोग किया और इस तरीके से दल ने सबसे बड़ी झीलों में से 1,972 जलाशयों के क्षेत्र का सर्वेक्षण किया।

ट्रेंड

हर घर तिरंगा

अरुणाचल प्रदेश एक ऐसी भूमि है जहां हर नागरिक के दिल में देशभक्ति कूट-कूटकर भरी है। यह राज्य की जीवंत सांस्कृतिक विरासत में स्पष्ट रूप से परिलक्षित होता है। हर घर तिरंगा के प्रति ऐसा उत्साह देखकर खुशी हुई। -नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

राहुल खतरनाक आदमी

राहुल गांधी सबसे खतरनाक आदमी हैं, उनका एजेंडा है कि अगर वह प्रधानमंत्री नहीं बन सकते तो इस देश को बर्बाद भी कर सकते हैं। हमारे शेयर बाजार को लक्ष्य करने वाली हिंडनबर्ग रिपोर्ट, जिसका राहुल गांधी सोमवार रात समर्थन कर रहे थे, बेकार साबित हुई है।
-कंगना रनौत, भाजपा सांसद

परमात्मा ही आत्मसत्ता

हम सभी में सर्वशक्तिमान परमात्मा बीज रूप में विद्यमान है और यही बीज आत्मसत्ता है, जो परमसत्य से नित्य एकीकृत है। इस अनन्त और सनातन सत्ता को जानना ही परम पुरुषार्थ है।
-स्वामी अवधेशानंद, आध्यात्मिक गुरु

इमरजेंसी का ट्रेलर आज

लोकतांत्रिक भारतीय इतिहास के सबसे काले समय और सत्ता की लालसा का गवाह बने जिसने पूरे देश को लगभग जला डाला, इमरजेंसी का ट्रेलर 14 अगस्त को आएगा। आपातकाल की यह विस्फोटक गाथा 6 सितंबर को दुनियाभर के सिनेमाघरों में प्रदर्शित होगी। -अनुपम खेर, अभिनेता

रॉयल पत्रिका

सभी देश व प्रदेश वासियों को
स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
अकबर पठान
पार्षद : वार्ड 89, आदर्श नगर विधानसभा

सभी देश व प्रदेश वासियों को
स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
आरिफ कुरैशी
होटल पदमिनी पैलेस, मुस्लिम स्कूल के सामने,
एम. डी. रोड, जयपुर

सभी देश व प्रदेश वासियों को
स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
डॉ. मो. अश्फाक नक़वी
डायरेक्टर : नफीस सैकण्डरी स्कूल, नाहरी का नाका, जयपुर
सदर : नफीस शिक्षा समिति, जयपुर मो.-9587677786

सभी देश व प्रदेश वासियों को
स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
नजीफा ज़ाहिद
राष्ट्रीय अध्यक्ष : अखिल भारतीय गंगा जमना आंदोलन
प्रदेश उपाध्यक्ष : प्रदेश कांग्रेस कमेटी ओबीसी प्रकोष्ठ राजस्थान

सभी देश व प्रदेश वासियों को
स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
हाजी सईद अहमद खान
जनरल सेक्रेटरी : एपीजे अब्दुल कलाम

सभी देश व प्रदेश वासियों को स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
मुबारक हुसैन
वरिष्ठ कांग्रेस नेता, किशनपोल विधानसभा क्षेत्र
मोहम्मद शोएब
पार्षद : वार्ड नं. 75, हैरिटेज नगर निगम, जयपुर

अंजुमन-ए-बन्दूकसाज़ान की ओर से
सभी देश व प्रदेश वासियों को
स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
नईमुद्दीन बन्दूकसाज
9414215070
मो. शोएब बन्दूकसाज
9414207181

सभी देश व प्रदेश वासियों को स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
आरआर तिवाड़ी
अध्यक्ष -जयपुर शहर
जिला कांग्रेस कमेटी
मोहम्मद शाकिर खान
पार्षद प्रतिनिधि
Mob. 9414017866
जमीला बेगम
पार्षद : वार्ड 30

सभी देश व प्रदेश वासियों को
स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
न्यू राजधानी मोटर्स
हसन कुरैशी
मोटर, कंट्रोलर, चार्जर और सर्विस सेंटर
A-26, SNG ग्रुप बिल्डिंग, अमानीशाह रोड़, शास्त्री नगर, जयपुर।
Mobile No. 9660407358

जयपुर गन डीलर्स
अस्त्र शस्त्र के थोक विक्रेता
एवं शस्त्र मरम्मत का
विश्वसनीय प्रतिष्ठान
मोती डूंगरी रोड, जयपुर-302004 (राज.)
फोन : 0141-2617461
E-mail : mshoaib742@gmail.com

सभी देश व प्रदेश वासियों को
स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
राजधानी ई मोटर्स
मोहम्मद नूरुद्दीन
अध्यक्ष : हवामहल
विधानसभा युवा कांग्रेस
73, जेपी कॉलोनी, अमानीशाह रोड, शास्त्री नगर,
जयपुर 9982333338, 8114467115

सभी प्रदेश वासियों को स्वतंत्रता दिवस एवं
रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामनाएं
78th
HAPPY
INDEPENDENCE DAY
मुरलीधर शर्मा (समाजसेवी)
अध्यक्ष : राजस्थान ब्राह्मण
महासभा सांगानेर, Mob. 9414323848

सभी प्रदेश वासियों को स्वतंत्रता दिवस एवं
रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामनाएं
78th
HAPPY
INDEPENDENCE DAY
कन्हैयालाल सैनी (समाजसेवी)
प्रेम पत्तल दोना भंडार सांगानेर

सभी देश व प्रदेश वासियों को
स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
मोहम्मद असगर अहमद
पूर्व वरिष्ठ उपाध्यक्ष : जयपुर शहर जिला कांग्रेस कमेटी

सभी देश व प्रदेश वासियों को
स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
यूनुस खान टाक
उपाध्यक्ष : भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा, जयपुर शहर

SADDAM BIG BOSS FILM
PRODUCTION
15 August
Independence
Day
Raksha
Bandhan
SK
BIG B
PRODUCTION
सभी देशवासीयो को
हार्दीक शुभकामनाए
Producer:
Saddam Kuredi
Production Assitent
Harshita Choudhary

सभी देश व प्रदेश वासियों को
स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
मोहम्मद जकरिया शेरम
पार्षद : वार्ड 65

सभी प्रदेश वासियों को स्वतंत्रता दिवस एवं
रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामनाएं
78th
HAPPY
INDEPENDENCE DAY
विजेंद्र सैनी पार्षद प्रतिनिधि
वार्ड 92 सांगानेर ग्रेटर जयपुर

विद्यालय में आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

किशनगंज। रानी लक्ष्मी बाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन मांगरोल में किया गया। जिसमें मार्शल आर्ट की विभिन्न प्रकार की तकनीके मास्टर ट्रेनर दिव्या व्यास व सीमा राजावत द्वारा सिखाई गई। समापन समारोह के मुख्य अतिथि भारत माता कॉलेज के निदेशक डॉक्टर अरमान मलिक एवं अध्यक्षता प्रशिक्षण प्रभारी योगेश जोशी द्वारा की गई। मंच का संचालन मुकेश मेहरा द्वारा किया गया समापन के मुख्य अतिथि डॉक्टर अरमान मलिक ने महिलाओं को आत्मरक्षा संबंधी कई प्रकार के अनुभव बताएं एवं महिला सुरक्षा से जुड़ी हुई धाराएं के बारे में भी विस्तार से बताया, जिससे वह अपना बचाव कर सके, खुद की रक्षा खुद ही कर सके। सभी अध्यापक अध्यापिकाएं अपने-अपने विद्यालय में जाकर छात्रों को मार्शल आर्ट के गुरु सिखाएं इस प्रशिक्षण की संपूर्ण व्यवस्थाएं ब्लॉक शिक्षा अधिकारी मांगरोल द्वारा की गई।

यूथ कांग्रेस ने सेवा कार्य कर मनाया स्थापना दिवस

कोटा. (रॉयल पत्रिका). यूथ कांग्रेस का स्थापना दिवस कोटडी गुमानपुरा रोड स्थित कांग्रेस कार्यालय पर हर्षोल्लास के साथ सेवा कार्य कर मनाया गया। गया। इसके साथ ही झंडारोहण हुआ और यूथ कांग्रेस के उद्देश्य, उसकी रीति नीति के तहत किए जाने वाले कार्यों पर प्रकाश डाला गया। गुड् ने कहा कि इस अवसर और उनकी समस्याओं को हल करने का पूरा प्रयास करता है। यूथ कांग्रेस देश में अपनी अलग पहचान रखती है और समय-समय पर सरकार को जगाने का

यूथ कांग्रेस के शहर जिलाध्यक्ष मोईजुद्दीन गुड् ने बताया कि राजस्थान यूथ कांग्रेस के निर्देश अनुसार पौधा रोपण सफाई का सम्मान राजस्थान के प्रत्येक जिले में यह कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर सफाई कर्मचारियों का सम्मान किया गया, उन्हें तिलक लगा कर साफा बाँध व माला पहनाकर, मिठाई खिलाकर, श्री फल भेंट कर सम्मानित किया पर पौधारोपण किया गया साथ ही कांग्रेस कार्यालय में श्रमदान कर सफाई की गई। इस अवसर पर सम्बोधित करते हुए गुड् ने कहा कि युवा देश का भविष्य है और यूथ कांग्रेस का कार्यकर्ता देशहित व समाजहित में हर संभव कार्य करता चला आ रहा है, युवाओं की मांग को उचित मंच पर उठाने का प्रयास किया जाता है वहीं युवाओं के उत्थान, उनके हित भी काम करती है।कार्यक्रम में मुख्य रूप से मुख्य रूप ज़िला प्रभारी भानु प्रताप शेखावत, प्रदेश महासचिव हरिराज सिंह नाथावत, प्रदेश सचिव एडवोकेट राजेश कुमार, देहात अध्यक्ष विजय प्रताप, विधानसभा अध्यक्ष मनीष पारेता, जीशान अली, मण्डल अध्यक्ष विनोद बुर्ट, कांग्रेस नेता सी पी गुर्जर अन्य कई युवा कांग्रेस कार्यकर्त्ता उपस्थित रहे।

सांगानेर नगर निगम बना भ्रष्टाचार का हब

मुख्यमंत्री को नहीं बताई जा रही हकीकत

शंकर आकड़ , अध्यक्ष (सांगानेर व्यापार महासंघ)

जयपुर ((रॉयल पत्रिका) | सांगानेर व्यापार महासंघ ने प्रेस कांफ्रेंस कर खोली पोल आजकल सांगानेर नगर निगम प्रशासन अजीब गरीब हरकतें,बचकाने निर्णय, गरीबों के साथ ना इंसाफी, हाथ ठेला, थड़ी, छोटे दुकानदारों में डर ,सांगानेर की जनता एवं दुकानदार,छोटे व्यापारी सब लोग हो रहे है, हैरान-परेशान।भ्रष्टाचार चरम पर है। सर्वप्रथम अतिक्रमण अभियान के तहत बिना मतलब के दुकानदारों के टीन ,टप्पर तिरपाल,हटाए गए।अपनों को छोड़ा गया, पराए को तोड़ा गया। करोड़ों रुपए खर्च करके आधी अधूरी नाली साफ की गई। दुकानदारों को नोटिस देकर डराया,धमकाया गया। आफिस में मिलने को मजबूर किया गया।अवैध निर्माण में खुली छूट दी गई। जिन मकानों से मलाई नहीं मिली उनको सीज किया जा रहा है। बिना टेंडर के आठ दुकान की जगह 16 फर्जी दुकान बनाई जा रही है 8 काबिज दुकानदारों को जबरदस्ती हटाया जा रहा है। पैसे वालों को रहात दी जा रही है। कोर्ट को गुमराह किया जा रहा है। इन सभी मुद्दों को उठाते हुए सांगानेर व्यापार महासंघ के अध्यक्ष शंकर आकड़ ने प्रेस कांफ्रेंस करके खोली नगर निगम की पोल उन्होंने बताया कि राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को सांगानेर की हकीकत नहीं बताई जा रही है अभी अभी मालपुरा गेट के अंदर इतना पानी भरा हुआ था कि लोगों की दुकानों के अंदर पानी भर गया हजारों, लाखों रुपए का नुकसान हुआ लेकिन पार्टी वालों ने यहां पर मुख्यमंत्री को लाना मुनासिब नहीं समझा जिससे उनको हकीकत मालूम पड़ती। पूरे सांगानेर में अवेध निर्माण जोरों पर चल रहे हैं। सिटी एस बस स्टैंड पर अभी कियोस्क दुकानों को तोड़कर 16 दुकानों के नाम से 16 दुकान बनाई जा रही है जबकि वर्तमान में वहां पर 8 मेंबर काबिज है। 16 में 14 मेंबर फर्जी है जिन्होंने कभी भी यहां पर थड़ी, ठेला लगाकर काम नहीं किया फिर उनके नाम से जगह अलाट क्यों की जा रही है। सांगानेर व्यापार महासंघ के अध्यक्ष शंकर लाल आंकड़ ने सांगानेर नगर निगम उपयुक्त पर लगाए भ्रष्टाचार और मिली भगत के आरोप। मुख्यमंत्री भजनलाल लाल शर्मा जांच कराएं और सांगानेर की जनता को भ्रष्टाचारियों से बचाए।

देशभक्ति और हरियाली के साथ परवान चढ़ा हर घर तिरंगा अभियान

पाली (रॉयल पत्रिका) । केंद्र एवं राज्य सरकार के निर्देश पर जिले में चलाया जा रहा हर घर तिरंगा अभियान परवान चढ़ा हुआ है। अभियान को लेकर आमजन में काफी उत्साह है। हर घर तिरंगा और एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत शहर के मातृ वन में बुधवार को तिरंगे के साथ पौधरोपण अभियान शुरू इस मौके पर संभागीय आयुक्त डॉ.प्रतिभा सिंह ने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान एवं एक पेड़ मां के नाम अभियान दोनों देशभक्ति की भावना से ओत-प्रोत है। इसमें सभी का सहयोग जरूरी है। आज के इस कार्यक्रम में विभिन्न स्वयं सेवी संस्थाओं, अधिकारियों व विद्यार्थियों के सहयोग की प्रशंसा की। तिरंगे के साथ पौधे लगाए गए। कार्यक्रम में बांगड़ राउमा विद्यालय, सेठ मुकनचंद बालिया बालिका उमावि पाली, महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय पुनायता, हंस निर्वाण सरस्वती स्कूल, मधुरम विद्या मंदिर, आर्किड सेंट्रल स्कूल ऑफ एक्सीलेंस पाली, वंदेमातरम पब्लिक स्कूल, राजकीय बालिका उमावि मील क्षेत्र पाली आदि

हुआ। इसके तहत एक साथ एक हजार 111 पौधे लगाकर अभियान की शुरूआत की तथा इस अभियान के तहत कुल 21 हजार पौधे लगाए गए। कार्यक्रम में नगर परिषद सभापति रेखा राकेश भाटी ने पौधा लगाकर अभियान का शुभारंभ किया। इस मौके पर संभागीय आयुक्त डॉ. प्रतिभा सिंह, पुलिस महानिरीक्षक ओमप्रकाश, जिला कलेक्टर एलएन मंत्री, एसपी चुन्नाराम जाट, उपवन संरक्षण पी. बालामुरूगन, जिला परिषद के सीईओ नंदकिशोर राजौरा, यूआईटी सचिव डॉ. पूजा सक्सेना सहित सभी विभिन्न अधिकारियों व जन-प्रतिनिधियों ने बच्चों के साथ तिरंगे के साथ पौधे लगाकर अभियान को गति दी। कार्यक्रम में वन विभाग, नगर विकास न्यास, पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड, नगर परिषद सहित 6 विभागों के साथ विभिन्न स्वयं सेवी संस्थाओं का सहयोग रहा। साथ ही एक हजार स्कूली बच्चों ने भाग लिया। जिला कलक्टर एलएन मंत्री ने कहा कि पाली एक औद्योगिक नगरी है तथा इस नगरी में वृक्षों की महत्ती आवश्यकता है। इसके लिए केंद्र एवं राज्य सरकार के निर्देश पर हर घर तिरंगा और एक पेड़ मां के नाम अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शहर के मातृ वन में बुधवार को तिरंगे के साथ पौधरोपण अभियान की जो शुरूआत की गई है वह वास्तव में तारीफे काबिल है। यह प्रयास पर्यावरण में काफी मददगार साबित होगा। पाली की जनता के लिए वरदान साबित होगी। उन्होंने कहा कि मातृ वन में पौधों को बूंद-बूंद सिंचाई पद्धति से सिंचित किया जाएगा। यहां बारिश का पानी संग्रह करने के लिए नाड़ी बनाई है। यहां 600 बीघा जमीन है। इसे श्रृखलाबद्ध सघन वन के रूप में विकसित किया जाएगा। मातृ वन पौधों की सुरक्षा और पानी के लिए ड्रिप इरिगेशन सिस्टम लगाया है। इसमें 20 हेक्टेयर में बुधवार को 21 हजार पौधे विद्यालयों का सहयोग रहा।

'सेल्फीपॉइन्टरहाआकर्षणकाकेंद्र'

हर घर तिरंगा और एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत शहर के मातृ वन में बुधवार को तिरंगे के साथ पौधरोपण अभियान में वन विभाग की ओर से बनाई गई सेल्फी पॉइंट आकर्षण का केंद्र रहा। इस सेल्फी पॉइंट पर सभी ने अपने हाथों में तिरंगा व पौधा लेकर फोटा खिंचवाया। इतना ही नहीं संभागीय आयुक्त डॉ. प्रतिभा सिंह, डीआईजी ओम प्रकाश मेघवाल, कलेक्टर एलएन मंत्री, एसपी चुन्नाराम जाट, डीएफओ पी. बालामुरूगन, आरओ राहुल शर्मा सहित बड़ी संख्या में लोगों ने सेल्फी पॉइंट पर अपने हाथों में तिरंगा व पौधा लेकर फोटो खिंचवाया । इस अवसर पर जन-प्रतिनिधिगण, सभी जिला स्तरीय अधिकारी स्कूली स्टाफ, वन विभाग के कार्मिक विभिन्न स्कूलों के बच्चे मौजूद रहे।

सांस्कृतिक कार्यक्रम व सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

नागौर (रॉयल पत्रिका)शहर में किले की ढाल स्थित बलदेवराम मिर्धा धर्मशाला में 5 अगस्त को आर्यन फिल्मस के बैनर तले एक शाम कलाकार, भामाशाह, प्रशासन के नाम सांस्कृतिक कार्यक्रम व सम्मान समारोह का आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम के आयोजक मुबारक जोया ने बताया कि हमारे फर्म का उद्देश्य कलाकारों को निःशुल्क मंच प्रदान करवाना है । कार्यक्रम की शुरुआत से पहले नागौर फिल्म अभिनेता शलारूख जोया, एक्टर सपना नाडोल पाली, रिंकू नाडोल, सिंगर रविना जांगिड़ सांजु सहित अन्य कलाकारों ने दरगाह सूफी साहब नागौर के यहां चादर पेश की जियारत की और नागौर और भारत में अमन चेन की दुवाएं मांगी इस मौके पर पत्रकार मोहम्मद रफीक, मोहित रांकावत, कैमरामैन ओमप्रकाश पंवार, नरेश नायक पप्पूराम समीर जोया सहित कई कलाकार उपस्थित रहे, देर रात्रि के अंदर सांस्कृतिक कार्यक्रम व सम्मान समारोह का आयोजन हुआ । कार्यक्रम के बाद कलाकारों और आए हुए अतिथियों को स्मृति चिन्ह व प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया।

स्वतंत्रता दिवस की पूर्व तैयारियों को लेकर ली बैठक

नागौर (रॉयल पत्रिका) । स्वतंत्रता दिवस समारोह मनाए जाने हेतु कार्यक्रमों की रूपरेखा एवं पूर्व तैयारी के संबंध में कलक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। जिसमें सभी विभागीय अधिकारियों के साथ विचार विमर्श करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान एडीएम चंपालाल जीनगर ने बताया कि 15 अगस्त को सुबह 9 बजे जिला खेल स्टेडियम में मुख्य अतिथि राज्य मंत्री मंजू बाघमार द्वारा ध्वजारोहण किया जाएगा तथा इसके बाद मुख्य अतिथि द्वारा परेड का निरीक्षण कर मार्चपास्ट की सलामी ली जाएगी तथा अतिरिक्त जिला कलक्टर द्वारा महामहिम राज्यपाल के संदेश का पठन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इससे पूर्व कलक्ट्रेट निवास पर 7:45 बजे ध्वजारोहण किया जाएगा। इसके साथ ही सभी राजकीय कार्यालयों/विभागों व संस्थाओं पर सुबह 8 बजे कार्यालयाध्यक्ष द्वारा ध्वजारोहण किया जाएगा। इस दौरान उन्होंने मुख्य समारोह स्थल पर माकूल व्यवस्थाएं बनाए रखने हेतु उपखंड अधिकारी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता, तहसीलदार, नगर परिषद आयुक्त, जिला खेलकूद अधिकारी, जिला शिक्षा अधिकारी तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को आवश्यक व्यवस्थाएं करने हेतु आवश्यक निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने स्टेडियम में समारोह के दौरान बारिश के मौसम को देखते हुए बैठक व्यवस्था हेतु टेंट की उचित व्यवस्था करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने सामूहिक व्यायाम में भाग लेने वाले बच्चों एवं अन्य विद्यार्थियों हेतु उचित छाया व पानी की व्यवस्था करने के भी निर्देश दिए। एडीएम जीनगर ने नगर परिषद अधिकारियों को पूर्व संध्या पर सभी चौराहों की सफाई व्यवस्था करवाने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि समारोह में जन- प्रतिनिधियों को आमंत्रित करें। इसके साथ ही समारोह के बाद सर्किट हाउस में अतिथियों के लिए जलपान की भी पूर्ण व्यवस्थाएं करें। बैठक में उन्होंने सभी अधिकारियों को अपने विभाग के अनुसार प्रशंसा पत्र एवं पुरस्कार वितरण की सूची तैयार करने, सामूहिक व्यायाम प्रदर्शन हेतु स्कूली विद्यार्थियों की तैयारी का पूर्वाभ्यास करवाने, सांस्कृतिक कार्यक्रम की सूची बनाने, सफाई व्यवस्था, बिजली व्यवस्था, बेरीकेटिंग व्यवस्था, पेयजल व्यवस्था, परिवहन व्यवस्था, कानून एवं शांति व्यवस्था, खेलकूद प्रतियोगिता आदि की आवश्यकता तैयारियां समय रहते पूर्ण करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने बताया कि मुख्य समारोह के बाद मुख्य अतिथि द्वारा पौधरोपण भी किया जाएगा तथा प्रशासन व पत्रकारों के बीच मैत्री क्रिकेट मैच का भी आयोजन होगा।

एचएसआरपी आवेदन जारी रहेंगे, रसीद दिखाओ और चालान से बचो

जयपुर । परिवहन विभाग की ओर से पुराने वाहनों में हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन नंबर प्लेट (एचएसआरपी) लगवाने के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया जारी रहेगी। परिवहन विभाग ने स्पष्ट किया है कि वाहन चालकों की सुविधा को देखते हुए यह निर्णय किया गया है। इसमें आवेदन करने के बाद प्राप्त होनी वाली रसीद को दिखाकर चालान से बचा जा सकता है। बिना रसीद व बिना हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन नंबर प्लेट मिलने पर चालान किया जाएगा।

सहायक अभियंता के 1014 पदों के आवेदन 14 अगस्त से

अजमेर । राजस्थान लोक सेवा आयोग ने राज्य अभियांत्रिकी सेवाओं के तहत सहायक अभियंता भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन मांगे हैं। अभ्यर्थी बुधवार 14अगस्त से आवेदन कर सकेंगे। आयोग सचिव रामनिवास मेहता ने बताया कि सहायक अभियंता के 1014 पदों की भर्ती के लिए अधिसूचना जारी की गई है। इन पदों के लिए ऑनलाइन आवेदन 14 अगस्त से 12 सितंबर, 2024 की रात्रि 12 बजे तक किए जा सकेंगे। ऑफलाइन आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

हज-2025 के आवेदन फॉर्म भरने का सिलसिला शुरू

जयपुर | हज-2025 के आवेदन फॉर्म भरने का सिलसिला शुरू हो गया है। राजस्थान हज वेलफेयर सोसाइटी के महासविच शेख हाजी निजामुद्दीन ने बताया कि सोसाइटी की ओर से हज आवेदन फॉर्म रामगंज स्थित कार्यालय में सुबह 10 से शाम 6 तक जारी रहेगा। हज आवेदन के लिए इच्छुक आवेदक पासपोर्ट (जिसकी वैधता 15 जनवरी 2026 तक हो), आधार कार्ड, ब्लड ग्रुप, कैंसिल चैक या पासबुक की फोटो कॉपी, पासपोर्ट साइज फोटो जरूरी है। हज-2025 के आवेदन फॉर्म भरने की आखिरी तारीख 9 सितंबर, 2025 है।

अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट ने तीन आरोपियों को किया जिला बदर

नागौर (रॉयल पत्रिका)। अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट चंपालाल जीनगर ने अलग-अलग आदेश जारी कर थाना कुचेरा के आरोपी खिंयाराम पुत्र सुखदेवराम निवासी खजवाना, थाना मुण्डवा के आरोपी गिरधारी पुत्र फुलाराम निवासी पोखण्डी के पास मुण्डवा एवं थाना कुचेरा के आरोपी चम्पाराम पुत्र भागाराम निवासी खजवाना को जिला बदर किया है। उन्होंने बताया कि आरोपी खिंयाराम, गिरधारी व चम्पाराम को गुंडा नियंत्रण अधिनियम 1975 के अंतर्गत कार्रवाई करते हुए जिला नागौर से तीन माह तक निष्कासित किए जाने के आदेश दिए गए हैं। इस दौरान तीनों आरोपियों को अजमेर जिले के पुष्कर थाने में अपनी गतिविधियां दर्ज करवाने तथा इसकी सूचना न्यायालय को देने के आदेश भी दिए गए हैं। इस संबंध में आदेशों की पालना में निर्णय की प्रति जिला पुलिस अधीक्षक नागौर व अजमेर को भेजीं गई है।

सुकेत मे अमृत पर्यावरण महोत्सव के अंतर्गत स्कूल परिसर मे पौधे लगाए गए

सुकेत (रॉयल पत्रिका) । 5 अगस्त को माननिये प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अहवान पर शिक्षामंत्री मदन दिलावर के महत्व कांशी प्रयासो के तहत महात्मा गाँधी स्कूल मे एवं राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के परिसर में अमृत पर्यावरण महोत्सव के अंतर्गत वृहद वृक्षारोपण किया गया।

परब विशेष

डा. पीसीलाल यादव

प्रकृति संरक्षण का संदेश देता है भोजली

छत्तीसगढ़ में भोजली पर्व ग्रामीण जीवन संस्कृति की उपज है। भोजली प्रकृति के प्रारंभिक सौंदर्य की सुखानुभूति की अभिव्यक्ति है, जिसमें कोई बीज अंकुरित होकर अपने अलौकिक रूप से सृष्टि का श्रृंगार करता है। सावन मास के शुक्ल पक्ष को अष्टमी या नवमीं के दिन कंडरा घर से लाई गई टोकरियों व टुकना में कुम्हार आवा की काली मिट्टी डालकर किशोरियों द्वारा गेंहू के दाने पूरी श्रद्धा और भक्ति के साथ बोए जाते हैं। यह उगे हुए पौधे ही भोजली देवी के रूप में प्रतिष्ठा प्राप्त करते हैं। यही है भोजली, यही है गंगा। अर्थात भोजली गंगा। भोजली प्रकृति पूजा का प्रतीक है, जिसमें नन्हीं नन्हीं बालिकाएं भोजली के सृजन से लेकर विसर्जन तक भोजली गीत गाती हैं -

देवी गंगा, देवी गंगा, लहर तुरंगा
हमर भोजली दाई के भींजे आठों अंगा
ओ... ओ...देवी गंगा
माड़ी भर जोंधरी, पुलुस कुसियारे
जल्दी जल्दी बाढ़व, होवव हुसियारे

रक्षाबंधन के दूसरे दिन गांव भर की बालिकाएं एकत्रित होकर गड़वा बाजा के साथ पंक्तिबद्ध होकर भोजली को नदी या तालाब में विसर्जित करती हैं। बालिकाएं भोजली की जड़ों को प्रवाहित कर भोजली घर ले आती हैं। इस भोजली को एक दूसरे के कान में खोंचकर परस्पर भोजली बदते हैं और जीवन पर्यन्त मित्रता के सूत्र में बंध जाते हैं।

लोक साहित्य

डा. विनय कुमार पाठक

मुकुटधर पांडेय की साहित्य साधना

बिलासपुर जिले के बालपुर में 30 सितंबर 1895 को जन्में पाण्डेय की चौदह वर्ष से बीस वर्ष की अवस्था में हिन्दी कविता को जो कुछ दे गए, वह एतिहासिक धरोहर के रूप में पूजा फूल 1916 में प्रकाशित हुआ। इसी भांति जबलपुर की श्रीशारदा में प्रकाशित छायावाद नामक समीक्षात्मक नामकरण के प्रवर्तक प्रमाणित हुए हैं। इस लेख ने हिन्दी समीक्षकों को नई दिशा प्रदान

की तथा छायावाद को परिभाषित करने में सहायक सिद्ध हुई। युवावस्था में ही पाण्डेय जी का हिन्दी में प्रदेय युगांतरकारी रहा है। वे संस्कृत, बंगला, अंग्रेजी, हिन्दी और छत्तीसगढ़ी भाषा के पंडित थे। शैलबाला 1916, लक्ष्मा 1917, और मामा 1919 उनकी किशोर काल में प्रकाशित अनूदित औपन्यासिक कृतियां हैं। इसके अतिरिक्त निबंध संग्रह परिश्रम 1917 एवम कहानी संग्रह हदय दान 1918 भी प्रकाशित हुए। तेईस -चौबीस वर्ष की अवस्था में पाण्डेय जी की प्रमुख कृतियो का प्रकाशन तदनुरूप मूल्यांकन भी हो चुका था। इनकी बाद की मौलिक और अन्य विद्वानों द्वारा संपादित कृतियां आठवें दशक में प्रकाशित हुईं। यही काल उनके प्रदेय की पुनर्स्थापना का था।

पुस्तक समीक्षा

छत्तीसगढ़ की लोक परंपराएं

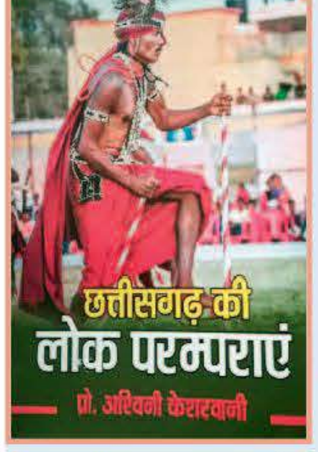

कृति के नाव: छत्तीसगढ़ की लोक परंपराएं

कृतिकार: प्रो. अश्विनी केशरवानी

प्रकाशक: वैभव प्रकाशन रायपुर

पुस्तक समीक्षा: डॉ. डी पी देशमुख

मूल्य: चार सौ रुपए

छत्तीसगढ़ की कला और संस्कृति पर कार्य करने वाले लेखक ने छत्तीसगढ़ की लोक परंपराएं शीर्षक से आंचलिक संस्कृति को आगे लाने का प्रयास किया है। आपने इस पुस्तक में तीज त्यौहार, पारंपरिक गीत, संस्कृति, गीत नृत्य, मेला मड़ई, लोक नाट्य तथा लोक कथा और लोक गाथा को अच्छे ढंग से चित्रित करने का प्रयास किया है। आप लगातार संस्कृति को लेख के माध्यम से आगे लाने का प्रयास करते रहते हैं। यह पुस्तक को छत्तीसगढ़ की संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन की दिशा में उपयोगी माना जा सकता है। पाठकों को इस पुस्तक से आंचलिक संस्कृति को जानने और समझने में उपयोगी साबित होगी।

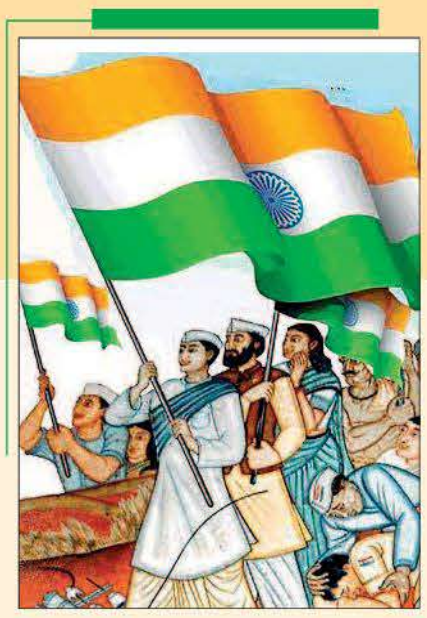

सरगुजा रियासत में सन 1915 में ताना भगत नामक जन आंदोलन चला, इस आंदोलन द्वारा लोगों को शराब से अलग रहने तथा सेवन न करने को कहा गया। सन 1918 में महाराजा रामानुजशरण सिंह देव गद्दी पर बैठे। इन्होंने अपने राज्य में कई सुधार किए। इनके शासन काल के प्रथम वर्ष में ' किसान उराव बगावत '

आजादी के लिए सरगुजा रियासत में हुआ जन आंदोलन

एक महत्वपूर्ण घटना घटित हुई। अप्रैल 1918 में किसान उराव विद्रोहियों ने एकाएक आक्रमण कर शामहरी और पाट पुलिस स्टेशन के 14 गांव लूट लिए तथा 51 व्यक्तियों की निर्मम हत्या कर दी। जिसमें राजकीय कर्मचारी समेत जिलाध्यक्ष रांची, पालमू पालिटिकल एजेंट के नेतृत्व में कई पुलिस कर्मचारी पहुंचे। महाराज भी अपने राज्य के इलाकेदार भैया बहादुर, इन्द्र प्रताप सिंह देव, लाल जगदीश बहादुर सिंह देव, खोरपोशदार लखनपुर, धोरपुर आदि सहित सशस्त्र सैनिकों के साथ पहुंचे और विद्रोहियों के गढ़ भोपाल ग्राम पर आक्रमण करने का निश्चय किया। विद्रोहियों ने मार्ग में उन्हें घेर लिया और धनुष बाण से अनेक व्यक्तियों को हताहत किया। इधर से बंदूक द्वारा उसका प्रति उत्तर दिया गया, जिसमे दोनों पक्षों को क्षति हुई। विद्रोहियों को गिरफ्तार किया गया तथा कई को मृत्यु दण्ड दिया गया। इसके पश्चात यहां किसी प्रकार का आंदोलन नहीं हुआ, किंतु देश भर में प्रजा मंडलों की स्थापना से सरगुजा रियासत भी वंचित नहीं रह सका। इस रियासत में भी अन्य रियासतों की तरह प्रजा मंडल की स्थापना की गई। सरगुजा महाराजा ने समय के अनुसार अपने राज्य में जनता को शासन प्रबंध सौंपने के ख्याल से स्टेट असेंबली बनाना स्वीकार किया।

ऐतिहासिक: निर्मलकांत श्रीवास्तव

कुमेली वाटरफॉल सूरजपुर का एक प्रमुख पर्यटन स्थल है, जो रामानुजनगर में स्थित है. इस वाटरफॉल में लगभग 50 फीट की ऊंचाई से पानी नीचे गिरती है. यहां खड़ी चट्टानें भी मौजूद है, जो काफी खूबसूरत नजर आती है. यह वाटरफॉल जंगल के अंदर स्थित है.

बारिश ने बढ़ाई कुमेली वाटरफॉल की खूबसूरती

पर्यटन: कमलेश यादव

छत्तीसगढ़ में खासकर बरसात के दिनों में अनेक झरने और जलप्रपात पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। इनमें कई काफी चर्चित तो कई गुमनाम रहते हैं। ऐसे ही झरनों में सूरजपुर जिले के रामानुजगंज विकासखंड में कुमेली घाट काफी लोकप्रिय है। यह झरना जिला मुख्यालय से नजदीक है, इसलिए पर्यटक आसानी से इस स्थान तक पहुंच जाते हैं। काफी ऊंचाई से गिरते झरने का दृश्य लुभावना होता है। पर्यटकों की सुविधा को देखते हुए लगभग 40 फीट की ऊंचाई पर मचान बनाया गया है ताकि पर्यटक प्रकृति के नजारे का नजदीक से लुत्फ उठा सकें।

सुरता

लखनलाल आडिल

आजादी की एक कहानी लिखी रामाधीन दुबे ने

दुर्ग जिले के ग्राम देवादा में रामाधीन दुबे का जन्म 1907 को हुआ था। आपके पिता जुड़ावन प्रसाद दुबे और माता रामकुंवर दुबे थी। आप नार्मल स्कूल पास कर अरसनारा प्राथमिक विद्यालय में शिक्षक थे। सन 1942 के भारत छोड़ो आन्दोलन में गांधीजी के आह्वान पर राजनीति में सक्रियता हेतु आपने अपनी नौकरी से त्याग पत्र दे दिया। आपके घर आचार्य रामदेव और प्रमुख व्यक्तियों के साथ बैठक हो रही थी, इतने में पुलिस गिरफ्तार कर ली। 6 माह की सजा काट कर रिहा हुए तो आपकी नौकरी छूट गई। बाद में 1946 में सेनानियों को बहाल किया गया। तब आपकी नियुक्ति अरसनारा में हुई, वहीं से सेवानिवृत हुए। भारत छोड़ो आंदोलन में सक्रिय रूप से आपकी भागीदारी रही। देवादा ग्रामवासियों का हृदय प्रफुल्लित हो मस्तक गर्व से ऊंचा हो गया, जब अखबार की सुर्खियों में छपा, आज दुर्ग जिला मुख्यालय में राष्ट्रीय ध्वज रामाधीन दुबे स्वतंत्रता सेनानी के कर कमलों द्वारा फहराया गया। वह दिन था स्वतंत्रता की रजत जयंती वर्ष 1972। तब देवादा वालों को स्मरण हो आया कि हमारा सन 42 का वह दुर्दिन आज सुदिन में बदल गया।

आप अपनी योग्यता, व्यवहार कुशलता से लोकप्रिय शिक्षक रहे। आप समाज की सेवा करते 1975 को स्वर्ग सिधार गए।

गांव की कहानी

डा. प्रकाश पतंगीवार

आजादी के समय नारे लगाने के कारण गांव का नाम: नारागांव

बालोद जिले के गुरुर ब्लाक में स्थित है नारागांव। जब महात्मा गांधी दूसरी बार धमतरी आए, तब अंचल के किसानों के साथ नारागांव के सेनानी भी आंदोलन में भाग लेने गए थे। तब भीड़ को तितर बितर करने के लिए अंग्रेजों ने दमन चक्र चलाया। सन 1930 के बल प्रयोग को भुला नहीं जा सकता। इस गांव के चार स्वतंत्रता सेनानी सुकालु राम, पीतांबर, बिसाहू राम और सुरजू राम प. सुंदर लाल शर्मा के नेतृत्व में चलने वाले सत्याग्रह में शामिल हो गए। अंग्रेज इन चारों सेनानियों को 24 दिन जेल में रखा गया। जेल से बाहर आने के बाद इन्होंने आंदोलन जारी रखा। यह चारों न केवल आजादी के सिपाही थे, वरन अच्छे कलाकार भी थे। गांव गांव जाकर इन्होने नाटकों का मंचन कर जन जागरण किया। गांव वालों ने खूब यातनाएं सही। 19 अक्टूबर 1930 को जिला स्तर पर जल सत्याग्रह आंदोलन में अंग्रेजों के विरुद्ध नारे लगाए गए थे। अंचल के किसानों ने इस आंदोलन में भाग लिया था।

खिराज-ए-अकीदत

हमारी अजीज़ दादी, मरहूमा गुलजार बेगम खान, जिनका इंतकाल 05.08.2024 को हुआ, हमारे परिवार की रूहानियत और मोहब्बत की निशानी थीं। उनकी दिलनशीनी, और दुआओं ने हमें हमेशा रहनुमाई दी। उनकी यादें और उनकी मोहब्बत हमारे दिलों में हमेशा ज़िंदा रहेंगी। हम दुआ करते हैं कि अल्लाह तआला उनकी रूह को सुकून अता फरमाए और उन्हें जन्नत में बुलंद मकाम अता करें।

गमजदा :
जोयल आदिल खान (पोता)
शकील अहमद (बेटा)
सायरा खान (बहू)
जोया अमरीन खान (पोती)
एवं अन्य परिवार जन।

पता : 11, किदवई नगर, इमली फाटक, जयपुर 302015
मोबाइल न. 7619772456, 9782812189

हमारे देश भारत को आजाद हुए 77 वर्ष पूरे हो रहे हैं। हम स्वाधीनता दिवस का उत्सव पूरे उत्साह और उमंग के साथ जरूर मनाएं। लेकिन इस अवसर पर कुछ सवालों के जवाब खोजना भी जरूरी है। जैसे- क्या आजादी के पहले देखे गए हमारे सपने पूरे हो सके हैं? एक आम भारतीय इस सपने को पूरा करने में किस तरह की भूमिका निभा सकता है? वैश्विक शक्ति बनने की ओर अग्रसर भारत आज भी जाति और धर्म को लेकर उपजे मतभेद और विद्वेष का सामना कर रहा है। इसकी क्या वजहें हैं और इस समस्या का क्या समाधान हो सकता है? देश को सशक्त राष्ट्र और मजबूत लोकतंत्र बनने के मार्ग में सबसे बड़ी बाधा क्या है, इसे कैसे दूर किया जा सकता है? इन सवालों पर अलग-अलग क्षेत्र की नामचीन हस्तियों ने **सरस्वती रमेश** से साझा किए अपने विचार।

हम मिलकर पूरा करें सशक्त-विकसित भारत का सपना

अभिमत

विकसित राष्ट्र बनने की राह पर अग्रसर हो रहा भारत

अश्विनी कुमार सिवाच
मेजर जनरल (रिटायर्ड)
फॉर्मर हेड ऑफ टेरिटोरियल आर्मी

वर्ष 1947 में देश जब आजाद हुआ, उस समय हमारी आर्थिक स्थिति काफी खराब थी। लेकिन इन 77 वर्षों में भारत ने तेजी से विकास किया। आज भारत विश्व की पांचवीं बड़ी इकोनॉमी है, आने वाले समय में हम तीसरी बड़ी इकोनॉमी बनने जा रहे हैं। आज के समय में हम दुनिया की चौथी मिलेट्री पावर भी हैं। देखा जाए तो भारत के साथ आजाद हुए अन्य देशों के मुकाबले, हमारे देश ने अच्छी तरक्की की है और आजादी के सौ साल पूरे होने तक विकसित भारत का लक्ष्य भी पूरा कर लेंगे।

आने वाले समय में भारत दुनिया का मार्गदर्शक बनकर उभरेगा। लेकिन एक सच यह भी है कि हम जाति-धर्म के नाम पर आपस में बंटकर देश को कमजोर भी करते रहते हैं। हम ना भूलें कि धर्म हमें बांटने के लिए नहीं एकजुट करने के लिए होना चाहिए। जिस तरह सेना में हर जाति, हर धर्म के लोग पूरी निष्ठा से अपना काम करते हैं। उनसे हर देशवासी को सीखने की जरूरत है। कुछ राजनेता अपने राजनीतिक लाभ के लिए लोगों को बांटते हैं। उनकी बयानबाजियों से भ्रमित होने की जरूरत नहीं है। हमारा देश एक सेक्युलर देश है और इसका सबसे बड़ा प्रमाण है, यहां रहने वाले विभिन्न धर्मों के लोग। जमीन पर हम एकजुट हैं और हमें बांटने के लिए यदि कोई राजनीति करता है तो वह दुर्भाग्यपूर्ण है। आजादी के बाद से हमारे लोकतांत्रिक ढांचे में भी काफी सुधार हुआ है, जबकि हमारे पड़ोसी देशों में लोकतंत्र की दशा से हम सब परिचित हैं। यह लोकतंत्र के कारण ही है कि भारत ने हर क्षेत्र में विकास किया है। हमारे देश के युवा जागरूक और सक्रिय हैं, जो भारत को सही दिशा देने में बड़ी भूमिका निभा रहे हैं।

अब सवाल आता है, वर्तमान समय में देश के सामने मौजूद सबसे बड़ी चुनौती की तो भारत के विकास में सबसे बड़ी बाधा बेरोजगारी की समस्या है। हमारे युवाओं को इस तरह ट्रेंड नहीं किया जा रहा है कि वे अपने पैरों पर खड़े हो सकें। उनकी बेसिक शिक्षा ऐसी होनी चाहिए कि उन्हें रोजगार मिल सके या वो अपना रोजगार कर सकें। दूसरी बाधा जनसंख्या विस्फोट की है। हमारे पास संसाधन सीमित हैं, इसलिए हमें अपनी पॉपुलेशन पर जल्द से जल्द नियंत्रण करना चाहिए और यह शिक्षा के प्रचार-प्रसार से ही संभव हो पाएगा। हमें शिक्षा के स्तर को ऊपर उठाना होगा और महिलाओं को भी सशक्त बनाना होगा। जब तक महिलाएं आर्थिक रूप से मजबूत नहीं होंगी, विकास अधूरा ही रहेगा।

भारत के सशक्तिकरण की राह में अगली चुनौती अमीरों और गरीबों के बीच की लगातार बढ़ती खाई है। इस खाई को कम करने की दिशा में काम किया जाना चाहिए। इसके लिए पिछड़े आदिवासी लोगों के विकास के लिए समुचित प्रयास की जरूरत है। इसके अलावा क्लाइमेट चेंज के दुष्प्रभावों से बचने के लिए भी हमें सतर्क रहना होगा। बहरहाल, तमाम विरोधाभासों के बावजूद मुझे पूरी आशा और भरोसा भी है कि 2047 तक हमारा भारत विकसित देशों की श्रेणी में आ खड़ा होगा। *

धर्म-जाति की सोच से ऊपर उठकर ही देश बनेगा सशक्त

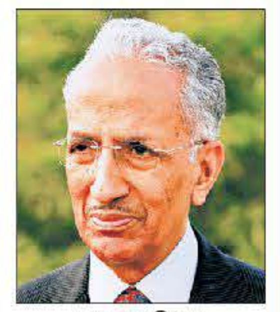

प्रकाश सिंह
फॉर्मर डीजी-बीएसएफ

आजादी से पहले देखे गए सारे सपने पूरे हो गए, यह कहना तो मुश्किल है। हमारी भौतिक प्रगति तो हुई है, जीवन स्तर में सुधार हुआ है, इंफ्रास्ट्रक्चर बेहतर हो गया है, भारत की अर्थ व्यवस्था तेजी से बढ़ रही है, लेकिन हमारे मूल्यों में बहुत ह्रास हुआ है। सामाजिक ताना-बाना कमजोर हुआ है। परिवार टूटते जा रहे हैं। अपराध बढ़ रहा है। रिश्तों में पवित्रता खत्म होती जा रही है। भ्रष्टाचार लोगों के खून में घुस गया है। आजादी से पहले हमने ऐसे भारत का स्वप्न तो नहीं देखा था। ये गर्व की बात है कि आज हम चांद और मंगल तक पहुंच रहे हैं। हमारी इकोनॉमी तेजी से बढ़ रही है। मगर सामाजिक मूल्य खत्म होते जा रहे हैं। इसका कारण यह है कि आज हमारी राजनीति रसातल में गिरती जा रही है।

राजनीति में कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी के खिलाफ अनाप-शनाप कुछ भी बोल सकते हैं। गाली-गलौज दे सकते हैं। आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों के राजनीति में घुसने पर कोई रोक नहीं है। यह हमारे देश की अजीब विडंबना है और इसे रोकने के लिए कोई उपाय नहीं किया जा रहा है। राजनीति की गंदगी पूरे समाज को प्रभावित कर रही है। यदि एमपी, एमएलए गलत काम कर सकते हैं तो हम क्यों नहीं, ऐसा आम आदमी सोचता है। शिक्षा का स्तर भी बहुत निम्न है। अंग्रेजों ने हिंदू और मुसलमानों को आपस में लड़ाकर राज किया, लेकिन आज हमारे नेता सिर्फ वोट की खातिर धर्म को ही नहीं जाति-जाति को भी लड़ा रहे हैं।

कुछ पार्टी के लोग तो इस तरह बात करते हैं कि जैसे उनके लिए राष्ट्रहित कोई मायने ही नहीं रखता सिर्फ वर्ग विशेष के वोट को अपने पक्ष में करने के लिए कुछ भी करने को तैयार रहते हैं। हमें तो ऐसी सोसायटी बनाने का स्वप्न देखना चाहिए, जहां ना कोई जाति की चर्चा हो ना वर्ग की। सब समान रहें। भारत के नागरिक बनकर रहें, तभी देश प्रगति करेगा, विकसित बनेगा।

अलगाववाद की प्रवृत्ति देश की एकता और अखंडता के सामने सबसे बड़ी बाधा है। कश्मीर और नॉर्थ ईस्ट के राज्यों में अलगाववाद की समस्या अभी खत्म नहीं हुई है। अलगाववादियों के खिलाफ सरकार को सख्ती बरतने की जरूरत है। कुछ पार्टियां राजनैतिक बदले या अहम की पूर्ति के लिए अलगाववाद को बढ़ावा दे रही हैं। पहले राजनीति में आइडियोलॉजी होती थी। अब कोई आइडियोलॉजी नहीं है, सिर्फ सीट बढ़ाना एकमात्र लक्ष्य है। यह सोच और परिदृश्य बदलना चाहिए।

यह सही है कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है लेकिन इसमें कई गंभीर कमियां हैं। जैसे हमने अपनी डेमोक्रेसी में आपराधिक पृष्ठभूमि वाले लोगों के प्रवेश पर कोई रोक नहीं लगाई है। जिस पार्लियामेंट और विधानसभाओं में अपराधी पृष्ठभूमि के लोग बैठे हों, उससे हम क्या उम्मीद कर सकते हैं? हमारी कानून व्यवस्था भी लचर है। लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए यह जरूरी है कि जघन्य अपराधियों को चुनाव लड़ने से रोका जाए। देश को बचाना, सशक्त बनाना है तो कड़े फैसले लेने होंगे। *

धर्म-जाति के नाम पर बंटकर देश मजबूत नहीं हो सकता

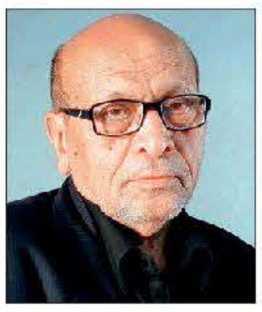

असगर वजाहत
साहित्यकार

मेरा मानना है कि आजादी से पहले देखे गए सपने, मध्य वर्ग के तो कुछ हद तक पूरे हुए हैं। आज मध्य वर्ग की आर्थिक स्थिति सुधरी है। उसके पास सुख-सुविधाएं बढ़ी हैं। लेकिन जो निम्न मध्य वर्ग है या निम्न और वंचित-शोषित वर्ग है, उनका सपना चकनाचूर हुआ है। आजादी से पहले उनकी जो स्थिति थी, उसमें और भी गिरावट आई है, क्योंकि उनकी आमदनी बढ़ी नहीं और महंगाई बढ़ती रही। यही कारण है कि शहरों में झुग्गी, झोपड़ियां बहुत बढ़ गई हैं। तो कह सकते हैं कि उच्च वर्ग मध्यम वर्ग और शासक वर्ग के तो सपने पूरे हुए हैं लेकिन निम्न वर्ग के नहीं। आदिवासियों के भी नहीं।

इस सपने को पूरा करने के लिए आम जनता की भूमिका अहम है। जनता ने ही देश को आजादी दिलाई थी। जनता को ऐसी सरकारों को सपोर्ट करना चाहिए, जो उनके विकास की बात करे। चिंता की बात यह भी है कि शोषित वर्ग के लोगों में इतनी जागरूकता नहीं आ पाई है कि वे अपना भला-बुरा समझकर सही सरकारों को चुनें। हमें याद रखना होगा कि सामाजिक और आंतरिक रूप से विभाजित रहकर आर्थिक महाशक्ति बनने की बात बेमानी है। कई रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि पिछले एक-डेढ़ दशक में भारत की जीडीपी बहुत बढ़ गई है। लेकिन आज भी एक बड़ा तबका गरीबी रेखा के नीचे है।

हमारा देश विश्वशक्ति तभी बन सकता है, जब यहां धर्म के नाम पर पाखंड के लिए कोई जगह नहीं होगी। जाति के नाम पर विभाजन नहीं होगा। कोई अशिक्षित नहीं होगा। इसके साथ ही देश के अंदर एकता, शांति और सौहार्द होना चाहिए। बिना शांति के कोई भी देश प्रगति नहीं कर सकता है। देश में यदि विभाजनकारी शक्तियां हैं तो वे प्रगति के खिलाफ हैं। विभाजनकारी शक्तियों का एजेंडा देश को बांटना होता है। देश को मजबूत और विकसित बनाने के लिए इनसे बचना होगा। इनसे बचने के लिए शिक्षा महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। धर्मांधता का जवाब, जातिगत विद्वेष का जवाब शिक्षा ही है। लेकिन दुखद यह है कि शिक्षा का बजट अपेक्षानुरूप बढ़ने के बजाय कम हो रहा है। मुनाफा कमाने वाले स्कूल और कोचिंग सेंटर खोले जा रहे हैं। शिक्षा के स्तर पर कम और मुनाफे पर अधिक ध्यान रहता है। क्या इस तरह देश, विश्वशक्ति बन पाएगा?

इसमें कोई शक नहीं कि भारत में लोकतंत्र की जड़ें गहरी हैं। जहां तक उन्हें मजबूत करने का सवाल है तो इसका जवाब भी शिक्षा है। हमें लोगों को जागरूक और शिक्षित करने की जरूरत है क्योंकि लोगों को धर्म, जाति के नाम पर बांटकर तो लोकतंत्र मजबूत नहीं हो सकता। लोग यदि पैसे लेकर वोट देंगे तो वह लोकतंत्र नहीं धन तंत्र हो जाता है।

मुझे लगता है कि आज के दौर में अधिकतर राजनीतिक दल और नेता लोकतंत्र को मजबूत करने से ज्यादा अपने वोट बैंक को मजबूत करने पर ध्यान देते हैं। जब तक वोट बैंक बनाने वाली राजनीति को खत्म नहीं किया जाएगा, तब तक लोकतंत्र सशक्त नहीं हो पाएगा। हम सभी नागरिकों को स्वयं आगे बढ़कर इस दिशा में कुछ करना होगा। आम जनता चाहे तो बहुत कुछ कर सकती है, स्थितियां बदल सकती हैं, देश सशक्त बन सकता है। *

भारत का लोकतंत्र स्थायी था, स्थायी है और स्थायी रहेगा

ऋतु सारस्वत
समाजशास्त्री

हम सभी भारतवासियों का स्वप्न, भारत के 'विराट स्वरूप' को साकार होते हुए देखना है। यद्यपि यक्ष प्रश्न यह है कि यह स्वप्न, जिन अथक प्रयासों पर निर्भर करता है क्या वह निष्ठा और कर्तव्यशीलता हम सबके भीतर व्याप्त है? अगर हम अपने मन को टटोलेंगे और ईमानदारी से उत्तर दें तो पाएंगे कि हम कहीं ना कहीं उस प्रयास में अपना संपूर्ण नहीं देते। इस स्वप्न को पूरा करने के लिए जिस निष्ठा से कार्य करना चाहिए, उसमें कहीं ना कहीं भटकाव है। यह कई वजहों से है। जाति व्यवस्था उनमें से एक है। दुर्भाग्य यह है कि जाति का मूल स्वरूप 'वर्ण व्यवस्था' रहा है, जो कि अपने विकृत रूप में जातिगत व्यवस्था में परिवर्तित हो गया। भारतीय समाज की जब हम संकल्पना करते हैं तो जाति प्रभुत्व का ऐसा मूल बिंदु दिखता है, जिसे अपने निजी और तुच्छ स्वार्थ के लिए समाज का कोई भी वर्ग नहीं छोड़ना चाहता।

अचरजकारी तथ्य यह है कि हर कोई जाति के प्रति अनेक प्रश्नों को खड़ा करता है लेकिन उसे त्यागने को कोई भी तत्पर दिखाई नहीं देता। इसका मूल कारण प्रभुत्व का वह समीकरण है, जो जाति के आधार पर ही पोषित होता है। यह जाति व्यवस्था खत्म ना होने के पीछे का कारण है सत्ता की चाह। भारत में प्रभुत्व की चाह की पूर्ति, जाति के धरातल पर ही खड़े होकर प्राप्त हो सकती है। जाति ही एक ऐसा विषय है, जहां व्यक्ति धृतराष्ट्र की तरह अपनी आंखों पर पट्टी बांध लेता है और इस बात पर विचार नहीं करता कि वह जिसे अपने प्रतिनिधि के रूप में चुन रहा है, वह उस पद की काबिलियत रखता है कि नहीं। चुनौतियों के समाधान के लिए उसके भीतर प्रतिभा है या नहीं। प्रतिनिधि के चुनाव का आधार मात्र 'जाति' ही होना भारतीय राजनीतिक व्यवस्था का दुर्भाग्य है। पंचायती स्तर से लेकर लोकसभा चुनावों तक हर जगह इस प्रवृत्ति को देखा जा सकता है। लगता है आने वाले 50-60 सालों तक इसमें कोई बदलाव नहीं होगा। हालांकि शिक्षित युवा वर्ग को जाति व्यवस्था और राजनीति में रुचि कम होती जा रही है। उन्हें आभास है कि देश की दिशा और दशा बदलने के लिए धर्म और जाति से भी अधिक महत्वपूर्ण, नेतृत्वशील पदों पर बैठे लोगों की स्वच्छ छवि है। मेरा मानना है कि जाति और धर्म के छद्म स्वरूप, देश की अखंडता में सबसे बड़े बाधक हैं। क्योंकि धर्म और जाति के आधार पर जो विभाजन है, वह स्नेहिल संबंधों को भी अलग करता है। हालांकि यह संभव नहीं परंतु अगर राजनीतिक दल जातिगत और धर्म के नाम पर जोड़े गए प्रलोभनों को हटा दें तो यह भारत की समरसता और अखंडता के लिए बहुत बड़ा कदम होगा। लेकिन कोई भी राजनीतिक दल ऐसा नहीं करेंगे, क्योंकि यही मुद्दा है जो उनके वोट बैंक का आधार बनता है।

इतना कुछ होते हुए भी भारत में लोकतंत्र की जड़ें बहुत मजबूत हैं और इसका सबसे बड़ा उदाहरण यह है कि एक आम व्यक्ति अपनी काबिलियत के आधार पर किसी भी पद तक पहुंच सकता है। भारत की राजनीति के 77 वर्ष के इतिहास को अगर पलट कर देखा जाए तो ऐसे अनेक उदाहरण मिल जाएंगे, जिन्होंने अपनी जिजीविषा के बल पर राजनीति में अपना वर्चस्व स्थापित किया है। पीढ़ी दर पीढ़ी सत्ता हस्तांतरण की प्रक्रिया भारत में सुदृढ़ता से बनी हुई है। भविष्य भी ऐसे गर्वमय क्षणों का साक्षी बनेगा। भारत का लोकतंत्र स्थायी था, स्थायी है और स्थायी रहेगा। इसके भविष्य को किसी भी तरह संशयात्मक दृष्टिकोण से नहीं देखा जा सकता है।

जहां तक सवाल सशक्त राष्ट्र निर्माण में लोगों की भूमिका की है तो दो तरह से यह भूमिका निभाई जा सकती है। एक तो यह कि आपको जो कार्य या जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसे आप ईमानदारी से करें। दूसरा आप ऐसे व्यक्ति का चुनाव करें, जो निज स्वार्थ को त्याग कर राष्ट्र को उन्नति के पथ पर ले जाने के लिए कटिबद्ध हो। *

कविता
प्रो. शरद नारायण खरे

राष्ट्र-वंदन

भारत मां के अभिनंदन में, आओ हम
जयगान करें।
नित्य चुनौती का उत्तर दे, रक्षित मां की
आन करें।।
हमने रच डाली नव गाथा,
लेकर खड्ग हाथ अपने
नहीं हटाए बढ़े हुए पग,
पूर्ण किए सारे सपने
माटी को निज माथ लगाकर, आओ
मंगलगान करें।
नित्य चुनौती का प्रत्युत्तर दे, रक्षित मां की
आन करें।।
शत्रु नहीं बच पाया हमसे,
पूत हमारे वीर सभी
सेनानी हम हैं मतवाले,
हाथ गहें शमशीर सभी
वक्त करे यदि मांग तो हंस-हंस, हम निज का
बलिदान करें।
नित्य चुनौती का उत्तर दे, रक्षित मां की
आन करें।।
सीमाओं पर डटे हुए हम,
तीन रंग का मान रखें
जन-गण-मन की लाज निभाते,
कायम निज की शान रखें
त्याग करें और रखें एकता,
मिल-जुलकर सहगान करें।
नित्य चुनौती का उत्तर दे, रक्षित मां की
आन करें।।
बिस्मिल, भगत सिंह हम ही हैं,
हम ही तो आजाद हैं
हम ही तो हैं नेहरू-गांधी,
हम हरदम आबाद हैं
संविधान में रखें आस्था, मिल-जुलकर
उत्थान करें।
नित्य चुनौती का उत्तर दे, रक्षित मां की
आन करें।।
लहर-लहर लहराए तिरंगा,
जिसमें सबकी जान है
जिसमें आन हमारी बसती,
और भरा अरमान है
जो भी आए राहों में हम, उसका तो
अवसान करें।
नित्य चुनौती का उत्तर दे, रक्षित मां की
आन करें।।

छोटी कहानी / यशोधरा भटनागर

मातृभूमि की रक्षा में उसका शरीर गोलियों से ऐसा छलनी हुआ कि वह निढाल होकर गिर पड़ा, धरती रक्तरंजित हो उठी। यही लगा मां ने अपने लाल को आंचल में समेट लिया। देश के लिए अपने प्राण न्योछावर करने वाले एक फौजी की कहानी।

आंचल

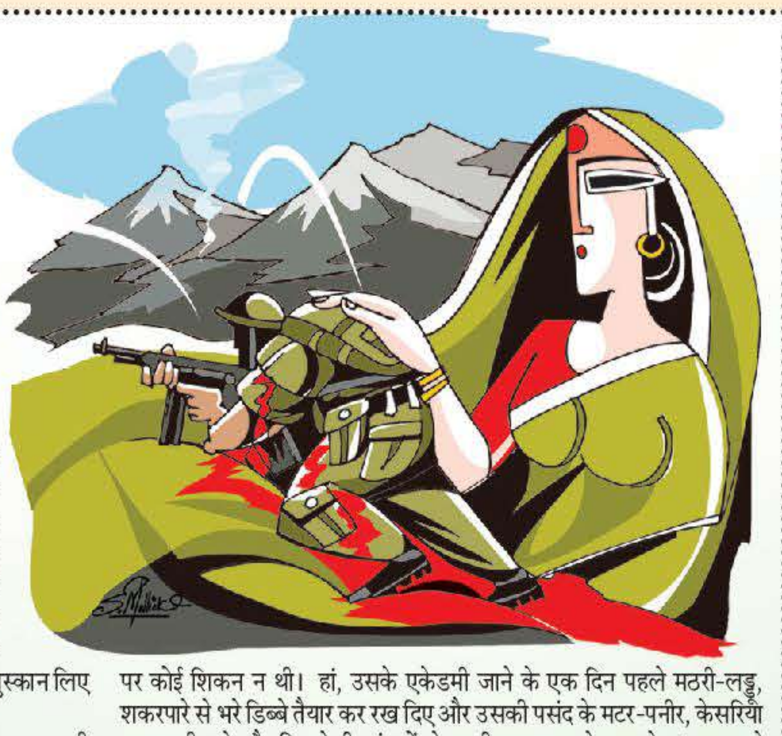

दनादन गोली बारी... शत्रु सेना पर वह अकेला भारी पड़ रहा था। शत्रु का काल बन उसकी गन, दनादन गोलियां बरसा रही थीं। तभी दूसरी ओर से गोलियां उसकी ओर लक्ष्य करती हुई बरसने लगीं। एक गोली उसकी बाईं भुजा में समा गई, दूसरी दाहिनी जांघ में और तीसरी दाहिने कंधे में। समूची देह लहू से नहा गई लेकिन वह न थमा, उसके हाथ गन के ट्रिगर पर मजबूती से जमे रहे। 'भारत माता की जय!', 'वंदे मातरम!' मातृभूमि के जयकारे उसके मस्तिष्क में कहीं नेपथ्य से गुंजित होते अनुभव करते-करते वह विजयी मुस्कान लिए वहीं निढाल हो गया।

सहसा उसे शुष्क अधरों पर कुछ गीलापन अनुभव हुआ। शायद आकाश की आंखें भी भीग गई हैं। अधखुले नेत्र, माटी से लिपटा वह। बम के धमाकों, गोलियों की आवाजों, युद्ध की लपटों में से मां का चेहरा झांका। एक ओजपूर्ण छवि, आत्मविश्वास से लबरेज, कर्त्तव्यपरायण फौजी पिता की देशभक्त पुत्री, शहीद वीर सिंह की भगिनी... उसकी मां!

जीजाबाई सी उसकी मां ने बचपन से ही वीरों की गाथाएं सुना कर, देशभक्ति के बीज उसके मन-मानस में सहज ही रोपित कर दिए। अभी उसकी मसें भीगी भी न थीं कि उसने अपने जीवन का लक्ष्य तय कर मां के सामने अपने मन की बात रखी तो मां ने उसके निर्णय का न केवल सम्मान किया बल्कि उसे मानसिक रूप से और मजबूत बनाने में कोई कसर न छोड़ी। अपने पिता और भाई के रणभूमि के किस्से मां इतने उत्साह से सुनाती कि वह जोश से भर जाता। फिर एक दिन अपने कलेजे के टुकड़े को उसके लक्ष्य की प्राप्ति के लिए सैन्य अकादमी भेजते हुए भी मां के चेहरे पर कोई शिकन न थी। हां, उसके एकेडमी जाने के एक दिन पहले मठरी-लड्डू, शकरपारे से भरे डिब्बे तैयार कर रख दिए और उसकी पसंद के मटर-पनीर, केसरिया भात, दही बड़े और कितने ही व्यंजनों से थाली सजा, अपने हाथ से खूब प्यार से खाना खिलाया। वह कुछ चिढ़ा भी 'यह क्या मां! मैं बड़ा हो गया हूं।'

'हम्म' के अतिरिक्त वह कुछ न बोलीं। शायद वह अपनी ममता को तुष्ट कर रही थीं। अगले दिन उसे मुस्कराते हुए विदा कर उन्होंने एकदम से अपना मुंह फेर लिया। शायद फौजी की बेटी और वीर की बहन न खुद कमजोर पड़ना चाहती थी, न ही बेटे को कमजोर होने देना चाहती थी।

लेफ्टिनेंट बन जब वह मां के सामने खड़ा हुआ तो उसका चेहरा गर्व से दिपदिपा उठा, गर्दन कुछ और तन गई।

सूरज की रोशनी मद्धिम हो चली थी। धीरे-धीरे चहुंओर तम का प्रसार हो गया। एक शांति! ठंडी हवा धीरे से सहला गई! 'मां..! मां..!'

रक्तालंकृत वसुंधरा ने उसे अपने अंक में समेट लिया। वही ममतापगा आंचल... वही खुशबू... वही अहसास! मां समान... आंखें फिर मुंद गईं... सदा के लिए। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

काशी के स्वतंत्रता सेनानी

बनारस, वाराणसी या काशी की मुख्य पहचान धार्मिक और प्राचीन सांस्कृतिक नगरी के रूप में है, यह तो हम सभी जानते ही हैं। लेकिन ब्रिटिश शासन से भारत के स्वाधीनता संघर्ष में भी काशी के रणबांकुरों की अद्वितीय भूमिका रही थी, इस बारे में कम ही लोग जानते हैं। इस ऐतिहासिक तथ्य को प्रमाणों के साथ अनावृत्त करने का शोधपरक प्रयास संस्कृत की प्रोफेसर रचना शर्मा ने अपनी पुस्तक 'आजादी के रणबांकुरे और काशी' में किया है। इस किताब में लेखिका ने ना केवल काशी के उन स्थलों का विस्तार से वर्णन किया है, जहां स्वतंत्रता सेनानियों ने ब्रिटिश शासन के विरुद्ध संघर्ष किया। साथ ही काशी के उन सेनानियों के बारे में भी विस्तार से बताया है, जो यहां की धरती पर शहीद हुए या जिन्हें आजीवन कारावास की सजा हुई या जिन्होंने ब्रिटिश शासन से लोहा लिया। यह किताब ऐतिहासिक महत्व की है, जिसके जरिए काशी की पावन धरा पर जन्में देशभक्तों के बारे में जाना जा सकता है। *

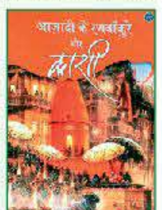

पुस्तक: आजादी के रणबांकुरे और काशी,
लेखिका: प्रो. रचना शर्मा, **मूल्य:** 249 रुपए,
प्रकाशक: सर्व भाषा ट्रस्ट, नई दिल्ली

बांग्लादेश में हो रहे हिंदुओं पर अत्याचार को लेकर रैली निकाली गई

राजधानी में जयपुर सहित कई जिलों में करीब दोपहर 12 बजे तक बंद रहे बाजार,बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार और हिंसा से राजस्थान में भी गुस्सा है। जयपुर सहित 5 जिलों जयपुर, उदयपुर, चित्तौड़गढ़, राजसमंद, सीकर में बुधवार को बाजार बंद रखने का निर्णय लिया गया है। इसके अलावा तमाम जिलों में विरोध-प्रदर्शन हो रहे हैं। कई जगह मौन जुलूस निकालकर नाराजगी जताई गई। मंदिरों में महायज्ञ, संकीर्तन कर हिंदूवादी संगठनों ने बांग्लादेश में शांति की कामना की। जयपुर के बाजार आज बुधवार दोपहर 12 बजे तक बंद रहे। चित्तौड़गढ़ में दोपहर 1 बजे तक बाजार बंद करने की घोषणा की गई है। इसी तरह राजसमंद व उदयपुर में दोपहर 2 बजे, सीकर में दोपहर 3 बजे तक बाजार बंद रखने का निर्णय लिया गया है। नागौर में बंद तो नहीं है, लेकिन रैली निकालकर ज्ञापन दिया गया। सवाई माधोपुर में दोपहर 3 बजे विरोध-प्रदर्शन किया गया। दौसा, जैसलमेर में शाम 5 बजे मौन जुलूस निकाला।

सभी प्रदेश वासियों को स्वतंत्रता दिवस एवं रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामनाएं

डॉ. खानु खान बुधवाली
चेयरमैन : वक्फ बोर्ड राजस्थान

खलील अहमद

डॉ. जमील अहमद

सभी प्रदेश वासियों को स्वतंत्रता दिवस एवं रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामनाएं

डॉ. मधु मुकुल चतुर्वेदी
प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य
भाजपा शिक्षक प्रकोष्ठ राजस्थान

सभी देश एवं प्रदेश वासियों को स्वतंत्रता दिवस की व रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामनाएं
चन्दन की डोरी फुलों का हार, सावन का महीना और राखी का त्यौहार
जिसमें झलकता है भाई-बहन का प्यार !

मेहर शेरु खॉं
9929736142
15 स्वतंत्रता दिवस
फर्म-मेहर कन्ट्रेक्शन कम्पनी, सांचौर।
A,A क्लास कांटेक्ट जल संसाधन विभाग राजस्थान

सभी प्रदेश वासियों को स्वतंत्रता दिवस एवं रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामनाएं

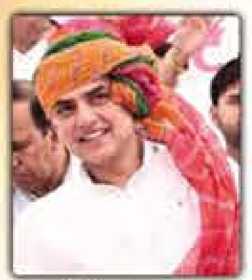
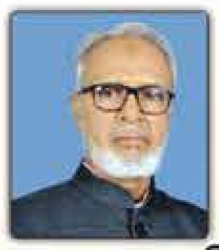

सचिन पायलट
टोंक विधायक,एआईसीसी महासचिव प्रभारी छत्तीसगढ़

जफर अहमद अमीन
रिटायर्ड तहसीलदार, सवाई माधोपुर

हरीश चंद मीना
सांसद : टोंक-सवाई माधोपुर

सभी प्रदेश वासियों को स्वतंत्रता दिवस एवं रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामनाएं

रफीक अहमद उर्फ गुड्डू मौलाना
वक्फ बोर्ड जिला उपाध्यक्ष सवाई माधोपुर

सभी देश एवं प्रदेश वासियों को स्वतंत्रता दिवस की
तेह-दिल से मुबारकबाद

15 स्वतंत्रता दिवस
नाजिमें आला
खलीफा मोहम्मद बक्ष सरवरी
दरगाह हजरत
मख्दुम पीर दादा अब्बनशाह रे.अ. पीर की जाल, सांचौर
दारुल उलुम फैजे सरवरी उच्च प्राथमिक विद्यालय
पीर की जाल, सांचौर 9783842707, 9414373390

सभी प्रदेश वासियों को स्वतंत्रता दिवस एवं रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामनाएं

दानिश अबरार
पूर्व विधायक : सवाई माधोपुर

अब्दुल हाशिब
एडवोकेट : सवाई माधोपुर

सभी प्रदेश वासियों को स्वतंत्रता दिवस एवं रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामनाएं

काज़ी मोहम्मद इरफान उल्लाह
शहर काज़ी सवाई माधोपुर

सभी देश एवं प्रदेश वासियों को स्वतंत्रता दिवस की
दिली मुबारकबाद

खादीम नसीबशाह
Mo. 7665521013
15 स्वतंत्रता दिवस
फर्म-मख्दुम जनरल स्टोर गिलाफ मखमल की चादर, अंतर, गुलाबजल,
अगरबती के हॉल सेल - रिटेल विक्रेता दरगाह पीर की जाल, प्रतापपुरा, सांचोर ।

सभी प्रदेश वासियों को स्वतंत्रता दिवस एवं रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामनाएं
DGET-6/20/560/2014-TC NCVT से मान्यता प्राप्त APP002404 (P-1575)
ITI विनायक निजी ITI
औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान
Trade: Electrician 10+ITI= 12th Science
Minority, sc, st scholarship based admission
Contact No.: 7014250507, 9414315069
G-1-78, रिको एरिया, खेरदा, सवाई माधोपुर – 322001

सभी प्रदेश वासियों को स्वतंत्रता दिवस एवं रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामनाएं

जाहिद खान
भूतपूर्व उपाध्यक्ष : रणथम्भौर नेचर गाइड एसोसिएशन,
रणथम्भौर नेशनल पार्क सवाई माधोपुर राजस्थान
फर्म रणथम्भौर कंस्ट्रक्शन कंपनी एवं जीशान एंटरप्राइजेज

शान निराली आके देखो कितना ये ज़ीशान है।
चाँदी की जाली में सोया मेवाड़ी सुल्तान है।।
चलो कपासन
بسم الله الرحمن الرحيم
83 वां उर्स शरीफ
अल्लाह की रहमत का अम्बार कपासन में।
है शाहे विलायत का दरबार कपासन में।।
चलो कपासन

शहन्शाहे मेवाड़
कुतबे ज़माना हज़रत विलायत अली शाह साहब उर्फ
हज़रत दीवाना शाह साहब
रहमतुल्लाह अलैह
तारीखे उर्स
बतारीख 6 सफर 1446 हिजरी, मुताबिक़ 12 अगस्त 2024 बरोज़ सोमवार से शुरू होकर
8 सफर 1446 हिजरी मुताबिक़ 14 अगस्त 2024 बरोज़ बुधवार सुबह कुल की फातेहा होगी।
लिहाज़ा शिरकते उर्स फरमाकर फैज़याब हों और अपना दामने उम्मीद भरें।
अलम 25 मोहर्रमुलहराम मुताबिक 1 अगस्त 2024 बरोज़ जुमेरात बाद नमाज असर चढ़ाया जायेगा।
मिनजानिब : वक्फ कमेटी, दरगाह शरीफ, दीवाना नगर, कपासन, जिला चित्तौड़गढ़ (राजस्थान)
फोन : 01476-294212, 230212 नोट : प्रोग्राम चाँद की तारीख के मुताबिक होगा। मोबाईल : 9829656670
Website : www.diwanashah.com Deewanashah YouTube deewana shah68
deewanashahkapasan deewanashah2, E-Mail: deewanashah.kapasan@gmail.com
BANK DETAILS : SBI BANK, Account No. : 51079252856, IFSC Code : SBIN0031245

सभी प्रदेश वासियों को स्वतंत्रता दिवस एवं रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामनाएं

मोहम्मद उमर
अध्यक्ष (मुस्लिम समाज एवं वक़्फ़ कमेटी ग्राम शेरपुर)
होटल नूर बाग,रणथंभौर नेशनल पार्क सवाई माधोपुर

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,